

नई सोच नई पहल

ज्वालियर: वर्ष: 3 : अंक: 343

ज्वालियर, 9 अक्टूबर सोमवार 2023

पृष्ठ: 8 मूल्य: 2 रुपए

न्यूज ट्रेक

10वीं, 12वीं की बोर्ड परीक्षा में बड़ा बदलाव



नई दिल्ली। केंद्र सरकार लगातार छात्रों के तनाव को कम करने के लिए काम कर रही है। इसके तहत नई शिक्षा नीति को लागू किया गया है। वहीं शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नया पाठ्यक्रम डॉ. लॉन्च किया था। अब इसी से संबंधित बड़ा अपडेट सामने आ रहा है। इसके अनुसार छात्रों को साल में दो बार बोर्ड परीक्षा में उपस्थित नहीं होना होगा। इस बात की जानकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दी है। इसके अलावा कोटा में हो रहे सुसाइड पर भी जानकारी दी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि छात्रों को 10वीं और 12वीं के बोर्ड परीक्षा के लिए साल में दो बार बैठना अनिवार्य नहीं होगा। मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ये बातें एक इंटरव्यू के दौरान कही हैं। नई नीति के अनुसार छात्रों के बढ़ती परिणाम के उद्देश्य के लिए बोर्ड परीक्षा दो बार कराई जाएगी। वहीं, दोनों परीक्षा में बैठना अनिवार्य नहीं होगा। अगर कोई छात्र पहली बार की परीक्षा के परिणाम से संतुष्ट है तो दूसरी बार बैठना जरूरी नहीं होगा। अगर किसी को अपने परीक्षा के रिजल्ट से असंतुष्ट है तो वो दूसरी बार परीक्षा दे सकता है। हालांकि ये अनिवार्य नहीं होगा। ये पूरी तरह से वैकल्पिक होगा और ये परीक्षा देने वाले छात्र को तय करना होगा। नई सिलेबस के अनुसार 11वीं और 12वीं के भाषाएं पढ़ना होगा। वहीं इसके लिए छात्रों को बढ़ती रिजल्ट के लिए समय और अवसर दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि कोटा में हो रहे सुसाइड चिंताजनक है और बच्चों की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है। छात्रों के टेंशन को कम करने की कोशिश की जा रही है। केंद्र सरकार ऐसे कदम उठाने की कोशिश कर रही है जिससे छात्र चिंता मुक्त होकर परीक्षा दे सके इसके लिए सबकी भूमिका और जिम्मेदारी काफी अहम होगी। सरकार के इस निर्णय से उन छात्रों को राहत मिलेगी जिन्हें फेल हो जाने के बाद साल खराब होने का डर होता है। ये परीक्षा आईआईटी जेई के तर्ज पर कराया जाएगा।

भारतीय वायुसेना को मिला नया झंडा



नई दिल्ली। भारत आज 8 अक्टूबर को भारतीय वायुसेना दिवस मना रहा है। वायुसेना हर समय किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहती है। इंडियन एयरफोर्स इस साल 91वीं सालगिरह मना रहा है। आज के उन वीरों को याद किया जाता है जिन्होंने देश की सुरक्षा के लिए अपनी जान न्योछावर कर दी। इस दिन वायुसेना देश के विभिन्न कार्यक्रम करके बहादुर सैनिकों को श्राद्धांजलि देती है। इस दिन वायुसेना की ओर से कई कार्यक्रम किए जाते हैं। भारतीय वायुसेना इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में कार्यक्रम कर रही है। इस दौरान भारतीय वायुसेना को नया झंडा मिल गया। इस झंडे का अनावरण इंडियन एयर फोर्स चीफ वी आर चौधरी ने किया है। वायुसेना को नया झंडा 73वें साल मिल है। इस मौके पर सीडीएस जनरल अनिल चौहान भी उपस्थित थे। इसी साल इंडियन नेवी को भी नया झंडा मिला था। इसके बाद ये दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश सरकार के अंदर 8 अक्टूबर 1932 को किया गया था। उस समय इसका नाम रॉयल एयरफोर्स था। भारत की आजादी के बाद साल 1950 इसका नाम बदलकर भारतीय वायुसेना कर दिया गया। इसके साथ ही वायुसेना को नया झंडा भी मिला था। इस साल के वायुसेना दिवस का थीम है। प्रयागराज में इस बार एयर शो का आयोजन किया गया। इस एयर शो में अमेरिका की चिनुक, जगुआर, चेतक, अपाचे और राफेल सहित कई लड़ाई विमान शामिल हुए। वायुसेना ने इसके जरिए अपनी ताकत का प्रदर्शन किया और दुश्मनों को चेतावनी भी दी। इसके साथ ही सेना की ओर से कई और कार्यक्रम किए गए। भारतीय वायुसेना दिवस पर पीएम मोदी ने शुभकामना संदेश दी है। पीएम ने लिखा सभी वायुसेना के रक्षकों और उनके परिवार को भारतीय वायुसेना दिवस की शुभकामना। भारत को भारतीय वायुसेना के समर्पण और त्याग के लिए गर्व है।

ममता सरकार के मंत्रियों पर सीबीआई का शिकंजा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में नगरीय निकाय में कथित भर्ती घोटाला मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रविवार सुबह कोलकाता में ममता बनर्जी सरकार में मंत्री फिरोज हकीम और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक मदन मित्रा के आवास पर छापेमारी की। छापेमारी कार्रवाई से टीएमसी नेताओं में हड़कंप मच गया है। शहरी विकास और नगरपालिका मामलों के मंत्री हकीम कोलकाता के महापौर भी हैं। वह तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और टीएमसी संगठन में भी उनकी अच्छी पकड़ है। जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय बलों की एक बड़ी टुकड़ी के साथ सीबीआई की टीम



चेतला इलाके में हकीम के आवास पर पहुंची और छापेमारी कार्रवाई शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीबीआई के दो अधिकारी

लिए जैसे ही टीम हकीम के रूम में प्रवेश की कि हकीम के समर्थकों ने उनके आवास के बाहर विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। कोलकाता में सीबीआई 15 जगहों पर अलग-अलग छापेमारी कर रही है। सीबीआई के एक दल ने पूर्व मंत्री और उत्तर 24 परगना जिले के कमरहटी से विधायक मित्रा के भवानीपुर इलाके में स्थित आवास पर भी दबिश दी है। छापेमारी के दौरान किसी भी शख्स को ना तो अंदर जाना है और ना ही किसी को अंदर से बाहर आना है। चंदन मित्रा और हकीम को सीबीआई ने 2021 में नारादा स्टिंग ऑपरेशन मामले में गिरफ्तार किया था।

आयुष्मान भारत मानसिक कल्याण के लिए उपचार को कवर करता है: निर्मला सीतारमण



नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि आयुष्मान भारत योजना के दायरे में मानसिक कल्याण शामिल है। वाराणसी में मानसिक कल्याण सप्ताह के उद्घाटन के मौके पर बीएचयू (आईआईटी) के छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने टेली मानस हेल्पलाइन संचालित करने जैसी पहल की है, जो मानसिक कल्याण परामर्श प्रदान करती है और रोगियों को इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ इलाज के लिए सिफारिश भी करती है। सीतारमण ने बताया कि छात्रों को हर तरह के तनाव से बचाने के लिए पोस्ट कोविड परामर्श सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं। यह देखते हुए कि छात्रों के बीच तनाव मुख्य रूप से उन्मादी प्रतिस्पर्धा और जनमत के दबाव से आता है, वित्त मंत्री ने कहा कि जिला स्तर पर भी परामर्श सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, क्योंकि केंद्र छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को काफी गंभीरता से लेता है। सीतारमण ने बताया कि कैसे योग पर सरकार का ध्यान मानसिक कल्याण को संबोधित करने के समग्र दृष्टिकोण का हिस्सा है।

अफगानिस्तान में भूकंप से मरने वालों की संख्या हुई 2000



नई दिल्ली। अफगानिस्तान में बीते दिन आए भूकंप से भारी नुकसान हुआ है। भूकंप से मरने वालों की संख्या 2000 तक पहुंच गई है। ये आंकड़ा तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने जारी किया है। पश्चिमी अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में आए शक्तिशाली भूकंप से बड़ी संख्या में जान माल की क्षति हुई है। साथ ही कच्चे पक्के मकानों को भी नुकसान हुआ है। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गई है। अफगानिस्तान के सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल वाहिद रेयान ने मीडिया को बताया कि हेरात में भूकंप से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मौत का यह आंकड़ा और आगे भी बढ़ सकता है। करीब 8 गावों में भूकंप का प्रभाव पड़ा है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हालांकि, मलबे में दबे शवों को बाहर निकालने में रेस्क्यू टीम

को परेशानी उठानी पड़ रही है। हेरात प्रांत में शक्तिशाली भूकंप के झटके से लोग सहमे हुए हैं। जिंदा बचे लोगों ने मीडिया को जब आपबीती सुनाई तो रोंगटे खड़े हो गए। लोगों ने कहा कि भूकंप के झटके शनिवार को महसूस किए गए। पहले तो धरती तेजी से हिलने लगी और धीरे-धीरे दफ्तरों और बिल्डिंग भरभरा कर गिरने लगी। जबतक कुछ कर पाते तबतक तो मंजर ही बदल चुका था। मजबूत हौसले और चमत्कार की वजह से कुछ लोग यहां से निकलने में कामयाब हुए। भीषण भूकंप के बाद यहां के लोगों का कहना है कि त्रासदी के बाद लोग बेहद डरे हुए हैं। आशंका जताई जा रही है कि भूकंप के झटके अभी और आ सकते हैं। यहां के नागरिकों का कहना है कि घरों और दफ्तरों में जाने से डरते हैं।

मध्य प्रदेश चुनाव में पत्नियों ने संभाला मैदान

नई दिल्ली। चुनावी बिगुल बजने से पहले ही मध्य प्रदेश विधानसभा का चुनाव रोचक होता जा रहा है। पत्नियों को सदन पहुंचाने के लिए इस बार कई नेता पत्नियों ने भी मैदान संभाल लिया है। इनमें संजय शुक्ला की पत्नी अंजलि शुक्ला, शिवराज सिंह चौहान की पत्नी साधना सिंह, भूपेंद्र सिंह की पत्नी सरोज भूपेंद्र सिंह और कैलाश विजयवर्गीय की पत्नी आशा विजयवर्गीय का नाम प्रमुख है। नेताओं की ये पत्नियां लगातार क्षेत्र में जनसंपर्क के सहारे लोगों से मिल रही हैं और अपने पति को जिताने की अपील कर रही हैं। जानकारों का कहना है कि मध्य प्रदेश में इस बार महिला वोटों की संख्या पुरुष वोटों के लगभग बराबर है, इसलिए उम्मीदवार के साथ-साथ उनकी पत्नी भी मैदान में उतर गई हैं। चुनाव आयोग ने हाल ही में मध्य प्रदेश का वोट लिस्ट जारी है। इसके मुताबिक राज्य में मतदाताओं की कुल संख्या 5 करोड़ 60 लाख 60 हजार 925 है। इसमें पुरुष मतदाता 2 करोड़

88 लाख 25 हजार 607, तो महिला मतदाता 2 करोड़ 72 लाख 33 हजार 945 है। आयोग के मुताबिक 2018 में मध्य प्रदेश के करीब 42 विधानसभा सीटों पर पुरुषों



के मुकाबले महिलाओं ने ज्यादा मतदान किए। कई सीटों पर मतदान का फासला 5 प्रतिशत तक का था। राजधानी भोपाल की 5 सीटों पर महिलाओं ने पुरुष के मुकाबले ज्यादा वोट डाले।

देवरिया कांड पर क्यों चुप्प हैं मायावती?

उत्तर प्रदेश के देवरिया में जमीनी विवाद के कारण 6 लोगों की हत्या के मामले में जहां एक ओर राज्य की राजनीति गरमा गई है। देवरिया में हुए नरसंहार हो लेकर एक ओर तमाम विपक्षी पार्टियां प्रदेश में पुलिस प्रशासन और न्याय व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधती दिख रही हैं। वहीं प्रदेश की बड़ी पार्टी बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने अभी तक इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुई हैं। जिसे लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। दरअसल देवरिया हत्याकांड में मारे गए सत्यप्रकाश दुबे के घायल बेटे से राज्य के सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में जाकर मुलाकात कर उसका हाल जाना। कई बीजेपी नेता भी घायल युवक से मिल अपनी संवेदना प्रकट कर चुके हैं। वहीं दूसरी ओर इस हत्याकांड में मारे गए प्रेमचंद यादव के घर पर राजस्व विभाग की कार्रवाई को लेकर विपक्षी पार्टियां बीजेपी पर मामले में पक्षपात का आरोप लगा रही हैं। फिलहाल इन सब के बीच राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा प्रमुख मायावती का चुप्पी साधे रहना कई सवाल खड़े कर रहा है। जहां एक ओर विपक्षी पार्टियों लगातार प्रशासन पर सवाल उठाते हुए बीजेपी को घेरती नजर आ रही हैं। वहीं मायावती का इस मुद्दे पर एक भी सवाल नहीं करने पर कुछ राजनेता इसे उनका बीजेपी की ओर झुकाव बता रहे हैं। वहीं इस बीच भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद ने देवरिया हत्याकांड पर राज्य की बीजेपी सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सभी प्रदेशवासियों को समान नजर से देखते हुए राजधर्म के पालन की अपील की है। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने इसे प्रशासन और सरकार की विफलता बताया है। उनका कहना है कि राज्य की सरकार प्रदेशवासियों को न्याय दिलाने में सक्षम नहीं है।



क्या है हमास और कैसे बन बैठा इजराइल का जानी दुश्मन

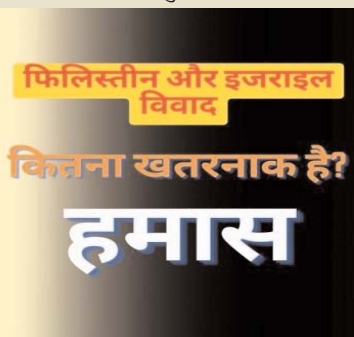
चरमपंथी संगठन हमास ने इजराइल पर भारी संख्या में रॉकेट दागे हैं। इन हमलों में इजराइल के लगभग 300 लोगों की मौत हो गई है, एक हजार से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस हमले के उनके खिलाफ युद्ध बताया है। उन्होंने कहा कि हमास ने इजराइल पर आतंकी हमला किया है...हम युद्ध के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और उनको इसका भारी खामियाजा चुकाना होगा। ऐसे में आम जनमानस के मन में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर हमास है क्या और उसकी इजराइल से क्या दुश्मनी है। हमास (इस्लामी प्रतिरोध आंदोलन) फिलिस्तीनी क्षेत्र का सबसे बड़ा चरमपंथी संगठन है। हमास की स्थापना 1987 में पहले फिलिस्तीनी विद्रोह के दौरान हुई थी। ईरान हमास का समर्थन करता है। इसका उभार मुस्लिम ब्रदरहुड की फिलिस्तीनी शाखा के विस्तार के तौर पर हुआ। हमास एक सशस्त्र बल है और इजराइल का सशस्त्र विरोध करता है। यह चरमपंथी संगठन इजराइल की जगह फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना के लिए प्रतिबद्ध है।

हमास की स्थापना शेख अहमद यासीन नाम के एक शख्स ने की जो 12 साल की उम्र से ही व्हीलचेयर पर थे। अपनी स्थापना के अगले साल

करता रहता है। 2007 से हमास का फिलिस्तीन की गाजा पट्टी पर काबिज है। 2006 में हुए फिलिस्तीनी संसदीय चुनाव में हमास को भारी



जित मिली, जिसके बाद उसका गाजा पट्टी पर शासन हो गया। दरअसल, हमास इजराइल राज्य को मान्यता नहीं देता। हमास की सशस्त्र विंग को इज अल-दीन अल-कसम ब्रिगेड कहा जाता है।



इसका काम इजराइल में आत्मघाती हमलावरों को भेजना है। हमास इजराइल पर अपने हमलों को बदला बताता है। हमास के लड़ाके इजराइल को खामे की कसम खाते हैं। वहीं, इजराइल इसको एक प्रपंच का नाम देता है। इसके साथ ही अमेरिका, यूई, कनाडा, मिस्त्र औ जापान जैसे देश हमास को एक आतंकवादी संगठन मानते हैं। जबकि रूस, सीरिया, चीन और ईरान जैसे देश इसको आतंकी संगठन के तौर पर नहीं लेते। हमास का कहना है कि मई 2021 में इजराइल ने यरूशलम में अल अक्सा मस्जिद, जो कि मक्का मदीना के बाद मुसलमानों के लिए दुनिया का तीसरा सबसे पवित्र स्थान है, को नुकसान पहुंचाया था। यही नहीं इजराइल ने कई दशकों से गाजा पट्टी की घेराबंदी कर रखी है। जिसकी वजह से वहां को लोगों को दवाई और अनाज जैसे बेसिक जरूरतों का सामान भी नहीं मिल पाता। हमास का कहना है इजराइल अपने हमलों में बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं को भी बखशाता। यही वजह है कि हमास बदला लेने के लिए इजराइल पर हमले करता है।

सुपर गर्ल्स कार्यक्रम से निखरेगी, बालिकाओं की प्रतिभा: मेगा संकुल अमलीपदर

ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़ अश्वनी कुमार जिला प्रशासन गरियाबंद के अभिनव पहल सुपर गर्ल्स बेंटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के तहत मेगा संकुल स्तरीय प्रतियोगिता हनुमान हल अमलीपदर में आयोजित किया गया।

सर्व प्रथम मां शारदे की पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस प्रतियोगिता में एकल नृत्य, गायन, चित्रकला, भाषण, वाद-विवाद, कविता आदि विधाओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। जिसमें आस पास के संकुल-अमलीपदर, गोंयारी, कोदोभाटा, पदमपुर, मुडगोलमाल, मुडगांव के छात्राएं सुपर गर्ल्स प्रतियोगिता में भाग लिए। प्रतियोगिता के परिणाम जिसमें प्राथमिक-स्तर- (1) चित्रकला-कु.नम्रता सिन्हा (कन्या प्रा. अमलीपदर) (2) एकल गायन-कु. किरण महन्ती (प्रा.शा.कुरला पारा) (3) एकल नृत्य-कु.नारायणी (प्रा.शा.पदमपुर) (4) भाषण-कु.हेमप्रिया बघेल (प्रा.शा. कोदोभाटा) (5) कविता-कु.हेमलता बघेल (प्रा.शा.पदमपुर) माध्यमिक स्तर--(1) एकल नृत्य-कु.जयंती निषाद (माध्य.शा.कुरला पारा) (2) एकल गायन-कु.मालती यादव (माध्य.शा.उसरीजोर) (3) चित्रकला-कु.भागवती यादव (माध्य.शा.बिरीघाट) (4) भाषण-कु.जयंती (माध्य.शा.कुरलापारा) (5) वाद-विवाद-कु.ममता यादव, कुरिकी यादव (कन्या

माध्य.शा.अमलीपदर) (6) कविता-कु.खगेस्त्री ध्व (माध्य.शा. गोडियारी)

बिरीघाट) (2) एकल नृत्य-कु.प्रमिला कुंजाम (कन्या हाई स्कूल

(4) भाषण-कु.लक्ष्मी यादव (हाई स्कूल बिरीघाट) (5) वाद-विवाद-कु. गीतांजलि, कु.कौशिकी पान्डेय (6) कविता-कु. सुजाता श्रीवास, आदि प्रथम स्थान पर रहीं। विजयी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं टिफीन डब्बा प्रदान कर सम्मानित की गई। इस कार्यक्रम में मंच संचालन श्री कमलकिशोर ताम्रकार के द्वारा बहुत ही शानदार तरीके से किया गया। मुख्य आकर्षण नृत्य प्रतियोगिता की रही है। कार्यक्रम में मेगा संकुल प्राचार्य, श्री वरुण चक्रधारी, श्री आलोक राव वाघे प्राचार्य एवं छ. संकुल के समन्वयक श्री भागीरथी नागेश, श्री सुभाष पान्डेय, श्री अनन्त राम नागेंद्र, श्री नरेंद्र दीवान, श्री भानुप्रताप राठौर, श्री भूषण पाड़े मध्यम भोजन स्व.सहायता समुह अध्यक्ष श्री मति मणीभोषले प्रधानपाठक श्री देवशरण साहु, धनसिंग मरकाम, कुमार सिंग बघेल, लोकेन्द्र अवस्थी, तीर्थ श्रीवास, प्रेमचक्रधारी, विष्णु राम साहु, एवं प्रभारी शिक्षक गण अनिल कुमार अवस्थी, मोतीलाल दुर्गा, लक्ष्मी कांत दुबे, सुकाश राव, राजेश राव, नीलांबर मांडी, हरिश्चंद्र चक्रधारी, श्री मति द्रोपती मरकाम, श्री मति स्वाति वाघे, श्री मति गरिमा सलामे, सभी शिक्षक गण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।



उच्च. माध्यमिक स्तर--(1) एकल गायन-कु.याचिका बघेल (हाई.स्कूल अमलीपदर) (3) चित्रकला-कु.समीरा (हाई स्कूल मुडगोलमाल)



जनकल्याणकारी योजनाओं को सभी ग्रामीणों को घर-घर जाकर बताया

प्रतीश अग्रवाल पुष्पांजलि टुडे मधुसुदनगढ़। भारतीय जनता पार्टी की अधिकृत प्रत्याशी प्रियंका पैंची द्वारा आज चाचौड़ा मंडल के उमरथाना, तलावली, वलावली, झुकरा, झुकरा, जलालपुरा, जौलडया, लीलवेहकला, सागोडी, कुसुमपुरा आदि ग्रामों में जन संपर्क किया। जिसमें प्रियंका पैंची द्वारा केंद्र एवम राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं को सभी ग्रामीणों को घर-घर जाकर बताया इसी के साथ जिन्हे योजनाओं का लाभ मिल रहा है उनसे आग्रह किया की वह भी शासन की योजनाओं से अन्य को भी अवगत कराए और जिन लोगों को शासन की योजनाओं का किसी कारण से लाभ नहीं मिल पा रहा है उन्हें चिन्हित कर शीघ्र अति शीघ्र लाभ के लिए प्रयास किया जावेगा। वयुकी भारतीय जनता पार्टी का एक ही लक्ष्य है प्रत्येक वंचित परिवार को शासन की योजनाओं का लाभ हर रितिथि में प्राप्त हो दु इस दौरान भारतीय जनता पार्टी जिला उपाध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह (निक्की) राजपूत, मंडल अध्यक्ष प्रद्युमन मीना, श्रीकृष्ण (भोला) सोनी, सूरज पालीवाल, आशीष खंडेलवाल, सुरेश सुमन, सत्री जैन, संजू भील, धनराज गुर्जर सरपंच सागोडिया, नंदू सेनी, राकेश भील, कृष्ण कुमार भील, दिनेश भील, मंगल सिंह धाकड़ बटावदा, सर्जन गुर्जर झुकरा, भूराला गुर्जर झुकरा आदि वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता, एवम सदस्य मौजूद रहे।

भदैया कुंड पर चला स्वच्छता अभियान कलेक्टर पहुंचे जायजा लेने

अनिल कुशावाह पुष्पांजलि टुडे शिवपुरी। शिवपुरी को पर्यटन नगरी के नाम से जाना जाता है। भदैया कुंड भी पर्यटकों के लिए एक आकर्षण का केंद्र है। शहर से कई लोग यहां शाम को पहुंचते हैं परंतु यहां पानी में लगी जलकुम्भी एक समस्या थी। अब यहां अभियान चलाकर सफाई की जा रही है। कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी ने नगर पालिका सीएमओ को निर्देश दिए थे। दिए गए निर्देशानुसार स्वच्छता अभियान चलाकर भदैया कुंड पर सफाई की जा रही है। पिछले सप्ताह ही होमागार्ड की टीम द्वारा यहां स्वच्छता अभियान चलाया गया। कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी भी लगातार जायजा लेने पहुंचते हैं। उन्होंने मौके पर उपस्थित रहकर जायजा लिया। नगर पालिका सीएमओ से चर्चा की और कहा कि यहां साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। आसपास भी गंदगी नहीं रहना चाहिए। यहां कचरा एकत्रित न

सोपान होम्स सोसायटी, पाटन में योग महा शिविर का आयोजन किया गया

पाटन ब्यूरो दैनिक पुष्पांजली टुडे गुजरात। योग एक आध्यात्मिक अभ्यास है। योग से बहुत प्रकार के फायदे होते हैं। योग से शारीरिक मानसिक तंदुरुस्ती के साथ कई बीमारियों से भी बचा जा सकता है। पहली बार पाटन में योग महा शिविर का आयोजन कामिनावेन पटेल द्वारा सोपान होम्स सोसायटी में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री ईश्वरभाई ब्रह्मभट्ट योगाचार्य दिव्य जीवन योग विशेष रूप से उपस्थित थे और उन्होंने सोसायटी एवं पाटनवासियों को योग के महत्व को समझाया कामिनावेन पटेल द्वारा प्रेक्टिकली योग करके सभी योग अभ्यासु को योग सिखाया।



कंप्यूटर ज्ञान प्रतियोगिता 2023 सफलतापूर्वक संपन्न

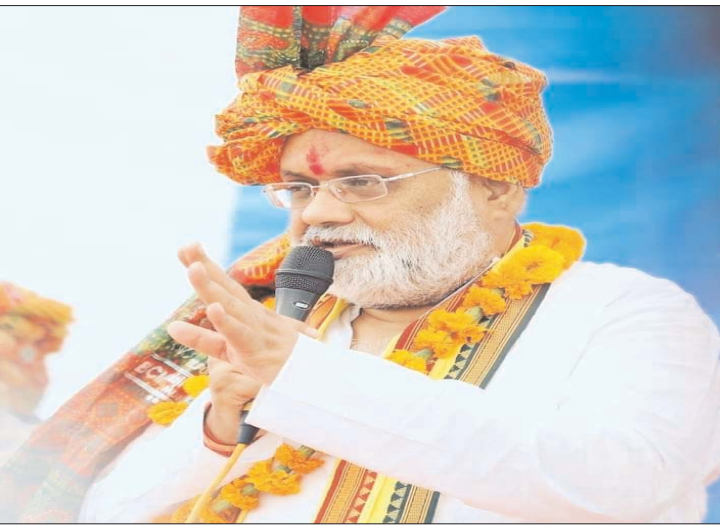
दैनिक पुष्पांजली टुडे ग्वालियर। स्वर्गीय श्रीमती केसर देवी स्मृति शिक्षा प्रसार समिति द्वारा संचालित वेदांश कंप्यूटर एजुकेशन तानसेन रोड ग्वालियर द्वारा 8 अक्टूबर रविवार को आयोजित कंप्यूटर ज्ञान प्रतियोगिता में 1217 छात्र छात्राओं ने भागीदारी की। यह प्रतियोगिता वेदांश कंप्यूटर एजुकेशन तानसेन रोड ग्वालियर तथा सीबीएस हाई सेकेंडरी स्कूल कांच मित रोड ग्वालियर सहित हजौरा क्षेत्र के चार परीक्षा केंद्रों पर संपन्न हुई। प्रतियोगिता में विजेता छात्र-छात्राओं को 13 अक्टूबर को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे जिसमें एक कंप्यूटर सहित 2100, 1100, 500, चांदी का सिक्का ट्रॉफी, मेडल, सर्टिफिकेट के साथ कुल 113 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। वेदांश कंप्यूटर एजुकेशन के संचालक हेल्थ गुरु प्रमोद राजावत ने बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को कंप्यूटर का बेसिक ज्ञान देना है इसलिए इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक छात्र-छात्राओं को वेदांश कंप्यूटर एजुकेशन तानसेन रोड ग्वालियर द्वारा 15 दिन निशुल्क कंप्यूटर बेसिक कोर्स भी सिखाया जाएगा।



जनता के हृदय में बसत है शर्मा परिवार, भाजपा से टिकट के कई दावेदार

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्ट अभिषेक कुशावाह सिरोंजा। सिरोंजा लटेरी विधानसभा भाजपा का गढ़ या फिर कहें तो शर्मा परिवार का ही राज रहा है यह वही विधानसभा है जहां से वर्तमान विधायक उमाकांत शर्मा के मझले भाई लक्ष्मीकांत शर्मा उच्च शिक्षा, सांस्कृतिक एवं अनेक कई विभागों मंत्री के पद पर रह कर सिरोंजा जैसे पिछड़े शहर में विकास रूपी गंगा बहाई थी, वर्ष 2013 विधानसभा चुनाव को छोड़ दे तो सिरोंजा लटेरी विधान सभा लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी या फिर कहें तो शर्मा परिवार ही विजय पताका लहराता रहा है हालांकि ऐसा नहीं है यहां से कोई और भाजपा से दावेदारी नहीं करता हों बीते वर्षों में भी अनेक लोगों के द्वारा अपनी अपनी दावेदारी पेश की गई लेकिन पार्टी ने हमेशा शर्मा परिवार पर भरोसा दिखाया जिसमें पिछला चुनाव तो वर्तमान विधायक उमाकांत शर्मा ने लगभग 34000 की लीड से जीतकर जिले सहित पूरे प्रदेश में अपनी एक अलग ही पहचान स्थापित की थी और यह सिद्ध किया था कि सिरोंजा लटेरी विधानसभा के दिल में शर्मा परिवार ही बसता है। बेहतर मैनेजमेंट के लिये जाने जाते वर्तमान विधायक उमाकांत शर्मा

पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष एवं वर्तमान सिरोंजा लटेरी विधानसभा से विधायक उमाकांत शर्मा की पहचान है, सिरोंजा क्षेत्र की जनता भी हमेशा एक ही नारा बुलंद करती है कि प्राणों से भी प्यारा है उमाकांत वाले दिव्यता तथा भव्यता को रेखांकित किये जाने वाले मानक तैयार किये हैं ऐसे कार्यक्रमों की उचाईयां स्वयं पर स्वत ही गर्व करती है प्रबंधन का उनका यह व्यक्तित्व का यह गुण उन्हे उपासना एवं आरधना जैसा बन गया है, श्री उमाकांत शर्मा एक प्रबंधक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता व सजगता से स्वीकार कर सभी गतिविधियों पर नियंत्रण करते हुए सभी कार्यकर्ताओं को सहभागी बनाकर उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्कृष्ट उपयोग करने के लिये जाने जाते हैं। धर्म संस्कृति के संवाहक रूप में पहचाने जाते उमाकांत-आधुनिकीकरण एवं पश्चिमी सभ्यता के इस युग में धर्म एवं पुरातन संस्कृति की जीवंत रखने के आपके अभिनव प्रयास निश्चित ही आपको श्रेष्ठ से श्रेष्ठतम बनाते हैं आप हमेशा अपने प्रत्येक कार्यक्रम में धर्म व संस्कृति को समाहित कर कार्यक्रम की रोचकता बढ़ाते हैं तो वही सिरोंजा लटेरी क्षेत्र की जनता उमाकांत शर्मा को धर्म संस्कृति के संवाहक रूप में जानती है क्षेत्र में आपकी लोकप्रियता किसी से छिपी नहीं है आप शास्त्रों के मर्मज्ञ हैं एवं आपके भाषणों में स्पष्ट शैली के साथ राखित एवं सांस्कृतिक झलक समाहित रहती है वही उमाकांत शर्मा को क्षेत्रवासी जहां गुरु के नाम से संबोधित करते हैं तो आप स्वयं भी क्षेत्रीय जनता से पारिवारिक स्नेह रखकर हर सुख दुख में सहभागी होते हैं। हमारा है सिरोंजा लटेरी क्षेत्र के देव गुरु वृहस्पति जैसे सम्मानित लोक पुरोहित परिवार से विधायक श्री उमाकांत शर्मा मानवीय श्रम समय और समझ के साथ अर्थ तथा परिस्थितियों के गुरु के साथ रणनीतिकार है जिनके निर्देशन तथा संयोजन में होने



जहां सरल और अच्छे नेतृत्व की है तो वही दूसरी और बेहतर मैनेजमेंट के लिये भी क्षेत्र में जाने जाते

वले दिव्यता तथा भव्यता को रेखांकित किये जाने वाले मानक तैयार किये हैं ऐसे कार्यक्रमों की उचाईयां स्वयं पर स्वत ही गर्व करती है प्रबंधन का उनका यह व्यक्तित्व का यह गुण उन्हे उपासना एवं आरधना जैसा बन गया है, श्री उमाकांत शर्मा एक प्रबंधक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता व सजगता से स्वीकार कर सभी गतिविधियों पर नियंत्रण करते हुए सभी कार्यकर्ताओं को सहभागी बनाकर उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्कृष्ट उपयोग करने के लिये जाने जाते हैं। धर्म संस्कृति के संवाहक रूप में पहचाने जाते उमाकांत-आधुनिकीकरण एवं पश्चिमी सभ्यता के इस युग में धर्म एवं पुरातन संस्कृति की जीवंत रखने के आपके अभिनव प्रयास निश्चित ही आपको श्रेष्ठ से श्रेष्ठतम बनाते हैं आप हमेशा अपने प्रत्येक कार्यक्रम में धर्म व संस्कृति को समाहित कर कार्यक्रम की रोचकता बढ़ाते हैं तो वही सिरोंजा लटेरी क्षेत्र की जनता उमाकांत शर्मा को धर्म संस्कृति के संवाहक रूप में जानती है क्षेत्र में आपकी लोकप्रियता किसी से छिपी नहीं है आप शास्त्रों के मर्मज्ञ हैं एवं आपके भाषणों में स्पष्ट शैली के साथ राखित एवं सांस्कृतिक झलक समाहित रहती है वही उमाकांत शर्मा को क्षेत्रवासी जहां गुरु के नाम से संबोधित करते हैं तो आप स्वयं भी क्षेत्रीय जनता से पारिवारिक स्नेह रखकर हर सुख दुख में सहभागी होते हैं।

परमात्मा श्रीपार्श्वनाथ परमात्मा की भक्ति से हमारी मन की इच्छा पूर्ण होती है: मुनि राजपद्मसागरजी

पुष्पांजली टुडे बेंगलूरु। श्री शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्ति पूजक जैन संघ एल एन पूरुम श्रीरामपूरम बेंगलोर मध्ये मुनि राजपद्मसागरजी म.सा. मुनि श्रमणपद्मसागरजी म.सा की पावन निश्राम में नवाहिका महामहोत्सव का आज नवमें दिन में परम पुरुषादानी श्री पार्श्वनाथ प्रभु का 108 पार्श्वनाथ महापूजन हुआ। महाराज साहब ने कहा इस पार्श्वनाथ प्रभु की महिमा का गान करते हुए कहा कि पार्श्वनाथ परमात्मा की महिमा निराली है, उनकी भक्ति करने से उनका पूजन करने से हमें शांति-समाधि एवं मन प्रसन्नता से भर जाता है, क्योंकि पार्श्वनाथ परमात्मा ने भी अपने पूर्वभव में जब देवलोक में थे तब उन्होंने 500 कल्याणक की उजवणी किया था परमात्मा के 500 कल्याणक मूल शरीर से मनाया था। इसलिए सबसे ज्यादा पार्श्व प्रभु का नाम है, उनकी भक्ति करने से यश-नामकिर्ति बढ़ती है। सब श्रावक एवं श्राविकाओं ने इस पार्श्वनाथ महापूजन में लाभ लिया।



आगामी विशाल भंडारे को लेकर बैठक सम्पन्न

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे दबोह। आगामी भंडारे को लेकर पदाधिकारियों व सदस्यों की बैठक सम्पन्न। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नगर की समाजसेवी संस्था श्री मुरली मनोहर सेवा मंडल द्वारा 13 नवम्बर 2023 को सिद्ध स्थल माँ रतनगं धाम जाने वाले भक्तों के लिए विशाल भण्डारा आयोजित किया जाना ऑनलाइन मीटिंग कर तय हुआ। जिसमें संस्था के पदाधिकारी व सक्रिय सदस्य मौजूद रहे। बैठक में आगामी भंडारे को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तो वहीं पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियाँ भी सौंपी गई। संस्था अध्यक्ष अर्पित गुप्ता ने बताया की 13 नवम्बर 2023 को श्री मुरली मनोहर सेवा मंडल द्वारा नवमां विशाल भण्डारा आयोजित होने जा रहा है जिसमें मंडल के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता एवम नगर वासी सहयोग करें। जिससे भंडारे को सफल बनाया जा सके। वहीं उन्होंने बताया कि इस बार भंडारे में डॉक्टरों की टीम भी मौजूद रहेगी जो कि पैदल रतनगं धाम जाने वाले भक्तों का परीक्षण करेगी और जरूरत लगने पर उन्हें उपचार भी देगी। उन्होंने बताया कि यह भण्डारा कोंच रोड तिराहे पर 13 नवम्बर 2023 की शाम से शुरू होगा और 14 नवम्बर 2023 की सुबह तक चलेगा जिसमें हजारों भक्तगण प्रसादी ग्रहण करेंगे। बैठक में संजय गुर्जर, राधे अग्रवाल, परमल गुर्जर, अर्पित गुप्ता, हिमांशु गुप्ता (बिडू), प्रतीक गुप्ता, संजय गुप्ता (परा), हिमांशु गुप्ता (इंलू), मोहित गोस्वामी, श्याम कोठारी, रवि गुप्ता (मैडिकल), मनीष गुप्ता, अनिल गुप्ता (परा), मोहित गोस्वामी, टिकू कुरेले, शशांक बुधैलिया, विकास दुबे, राजभुवन यादव, शिवकुमार गुप्ता (परा), विनय गुप्ता (परा), सोनू गुप्ता (मैथाने), चिराग गुप्ता (गोलू) आदि पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।



सीरवी समाज शमशाबाद वडेर में योग शिविर का आयोजन

पुष्पांजली टुडे हैदराबाद। सीरवी समाज वडेर शमशाबाद में योग शिविर का आयोजन 15 दिनों से लगातार जारी है। योग गुरु अध्यक्ष आसाराम गहलौत ने बताया की ध्यान का अभ्यास कराया और कहा कि योग व ध्यान से न केवल तनाव दूर होता है। बल्कि इससे मस्तिष्क की ताकत भी बढ़ती है। सीरवी महासभा तेलंगाना के अध्यक्ष हरजीराम ने बताया कि नियमित योग करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होकर कई प्रकार के रोगों का नाश होता है। और उन्होंने बताया कि 45 मिनट इस योग सत्र में मुख्य रूप से व्यायाम, ध्यान, और योगासन को शामिल किया गया है। इस शिविर में सचिव भोलाराम पंवार, शिक्षा समिति के अध्यक्ष केसाराम, कोषाध्यक्ष राजूराम अन्य लोगों ने योग का अभ्यास किया।

संपादकीय

सुलगते सवाल

एक न्यूज पोर्टल से जुड़े पत्रकारों पर छापे, कुछ की गिरफ्तारी और फिर आप के सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के बीच लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक सुविधा के लिये सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग पर देश में सवाल तीखे हुए हैं। देश की शीर्ष अदालत गाढ़े-बगाड़े राजनीतिक हथियार बनीं एजेंसियों की कारगुजरियों पर सवाल उठाती रही हैं। कभी कोर्ट ने एजेंसी को पिंजरे का तोता कहा तो कभी इन एजेंसियों में नियमों से इतर शीर्ष अधिकारियों के लगातार बढ़ते कार्यकाल को लेकर भी सवाल उठाए। पिछले कुछ महीनों में ऐसा विवाद शीर्ष अदालत व सरकार के बीच खासा चर्चित रहा। निरसंदेह, जब किसी खास या आम पर देश की स्थापित व्यवस्था के खिलाफ काम करने अथवा कानून, अर्थव्यवस्था या समाज के खिलाफ राष्ट्रविरोधी कार्यों में लिप्त होने के आरोप लगाये जाते हैं तो उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत भी होने भी चाहिए। आरोप तार्किक होने चाहिए। आरोप का आधार राजनीतिक आकाओं की पसंद-नापसंद भी नहीं होनी चाहिए। फिर लोकतंत्र में विपक्ष और मीडिया के विभिन्न धाराओं से जुड़े लोगों के प्रति सहिष्णुता सत्कारुद दल या सरकार की गरिमा को ही बढ़ाती है। लोकतंत्र में लोक की सर्वोच्चता होती है, तंत्र की नहीं। सत्ताधीशों को मानना चाहिए कि सतर्क विपक्ष व धारदार मीडिया भी लोकतंत्र के रक्षक ही होते हैं। लेकिन यहां राजनीतिक दलों का विरोध भी तार्किक व जनमानस के हितों के अनुरूप होना चाहिए। आरोप महज राजनीतिक लक्ष्यों के लिये सत्कारुद दल को घेरने का जरिया नहीं होना चाहिए। यानी महज विरोध के लिये विरोध नहीं होना। वहीं मीडिया के लिये भी लक्ष्मण रेखा निर्धारित है। विरोध के लिये उसका आधार भी विश्वसनीय होना चाहिए और जवाबदेही जनता के प्रति होनी चाहिए। वहीं किसी राजनीतिक विचारधारा के मामले में भी उसे निरपेक्ष होना चाहिए। विडंबना यही है कि गढ़े हुए तथ्यों के आधार पर आरोप-प्रत्यारोपों का दौर जारी है। वहीं अर्द्ध-सत्यों को सत्य साबित करने की होड़ जारी है। यहां सवाल सरकारी एजेंसियों की पारदर्शिता व निष्पक्षता का भी है। ये सारे विवाद सभी पक्षों के नीर-क्षीर विवेक व पारदर्शी व्यवहार की जरूरत बताते हैं। वीरवार को शीर्ष अदालत में आप के पूर्व मंत्री मनीष सिंसोदिया की शराब नीति में कथित भ्रष्टाचार विवाद प्रकरण में हुई गिरफ्तारी से जुड़े सवालों पर ईडी से तीखे सवाल किये गये। लगाये गये आरोपों की तार्किकता पर सवाल उठे कि जब मनीष सिंसोदिया की मामले में सीधी भूमिका नहीं है तो उन्हें आरोपी क्यों बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसी का केस ठोस सबूतों के आधार पर होना चाहिए अन्यथा जिरह के दौरान केस दो मिनट में गिर जाएगा। कोर्ट का कहना था कि यदि मनीष सिंसोदिया की भूमिका मनी ट्रेल में नहीं है तो मनी लॉन्ड्रिंग में सिंसोदिया आरोपियों में क्यों शामिल हैं। कोर्ट का कहना था कि मनी लॉन्ड्रिंग अलग कानून है। यह भी कि ईडी साबित करे कि सिंसोदिया केस प्रापर्टी में शामिल रहे हैं। बहरहाल, अब कोर्ट उनकी जमानत याचिका पर बारह अक्टूबर को सुनवाई करेगी। इस बीच कोर्ट ने सरकारी गवाहों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाये। कोर्ट का कहना था कि केस ठोस सबूतों की बुनियाद पर तैयार होना चाहिए। अनुमान के आधार पर केस तैयार नहीं किये जा सकते। कोर्ट का कहना था कि राजनीतिक कार्यकारी के निर्देशों पर नौकरशाहों को विवेकशील ढंग से विचार करना चाहिए। कोर्ट ने पूछा कि शराब नीति में कथित घोटाले मामले में सीबीआई चार्जशीट में अनुमानित राशि और ईडी की रिपोर्ट में उल्लेखित राशि में अंतर क्यों है। कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि ईडी साबित करे कि सिंसोदिया केस प्रापर्टी में शामिल रहे हैं। बहरहाल, अब कोर्ट को इस केस में क्यों नहीं शामिल किया गया? वहीं दूसरी ओर आप सांसद संजय सिंह की कोर्ट में हुई पेशी के दौरान अदालत ने ईडी की कार्यशैली को लेकर कई तीखे सवाल पूछे। साथ ही यह भी पूछा कि उनकी कस्टडी क्यों जरूरी है। जिसके बाबत ईडी का तर्क था कि सांसद के घर से जो सबूत मिलें हैं, उनसे जुड़े सवालों को लेकर पूछताछ जरूरी है। बहरहाल, ऐसे मामलों में एजेंसियों को तार्किक आधार पर कार्यवाई करनी चाहिए।

इन गिरफ्तारियों के संकेत साफ हैं

देश में सरकार विरोधी लोगों की गिरफ्तारियों का सिलसिला जारी है। एक ओर तो आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है, तो वहीं दूसरी तरफ ऑनलाइन न्यूज पोर्टल शून्यकिलक के संस्थापक प्रवीर पुरकायस्थ को सात दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उन्हें पोर्टल के एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती के साथ पुलिस कस्टडी में सौंपा गया है जहां हफ्ते भर दोनों से पूछताछ होगी। आप से राज्यसभा के सदस्य संजय सिंह को दिल्ली सरकार के कथित शराब घोटाले में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया है तो न्यूजकिलक पर आरोप है कि उसने चीन के समर्थन में प्रचार करने के लिये धन लिया है। आप पार्टी के दो वरिष्ठ मंत्री शराब मामले में पहले से जेल में हैं- उप मुख्यमंत्री मनीष सिंसोदिया और आबकारी मंत्री सत्येंद्र जैन। दोनों पर शराब नीति में फेरबदल कर घूस लेने के आरोप हैं। इसी की कड़ी के रूप में संजय सिंह को प्रवर्तन निदेशालय ने करीब

10 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को पुरकायस्थ एवं चक्रवर्ती के अलावा और भी कई प्रतिष्ठित पत्रकारों को पुलिस ने पूछताछ के लिये बुलाया था। उनमें से कई के लैपटॉप व मोबाइल जब्त कर लिये गये थे। इनमें उर्मिलेश, अनिंद चक्रवर्ती, परंजय गुहा ठाकुरता, अभिसार शर्मा तो थे ही, इतिहासकार सोहेल हाशमी, व्यंग्यकार संजय राजौरा एवं सेंटर फॉर टेक्नालॉजी एंड डेवलपमेंट के डी रघुनंदन शामिल हैं। पूछताछ के बाद दोनों के अलावा अन्य को जाने दिया गया। ऐसे ही, तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी के भतीजे अमिषेक बैनर्जी को कई पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ दिल्ली में उस समय गिरफ्तार किया गया जब वे कृषि भवन के बाहर धरना दे रहे थे। उनसे पहले ही कथित कोयला घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय कई बार पूछताछ कर चुकी है। यह भी माना जाता है कि उन पर भी गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है। कहने को तो ये

सारे मामले अलग-अलग हैं लेकिन राजनैतिक रूप से देखें तो साफ हो जाता है कि इनका आपस में सूझ सम्बन्ध है। संजय सिंह एक बेहद मुखर सांसद हैं जो प्रानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी सरकार के कट्टर आलोचकों में से एक माने जाते हैं। प्रभावशाली वक्ता होने के कारण से अपनी बात रखने वाले संजय पर आरोप है कि शराब घोटाले के एक आरोपी विचलिये दिनेश अरोड़ा से उन्होंने दिल्ली के बार व रेस्त्रां मालिकों से उनकी पार्टी के लिये धन जुटाने को कहा था। अरोड़ा ने 82 लाख रुपये का चेक भी दिया था। उल्लेखनीय है कि संजय सिंह ने संसद में मोदी के मित्र कहे जाने वाले देश के प्रमुख कांग्रेसी गैतम अदानी के खिलाफ जोर-शोर से आवाज उठाई थी। ऐसे ही, अयोध्या के रामजन्मभूमि पक्षिर्त में कथित जमीन घोटाले का भी संजय सिंह ने बहुत दमदारी से पर्दाफाश किया था। उस वक्त भाजपा के साथ मंदिर ट्रस्ट की बहुत भद पिटी थी। तभी से वे भाजपा की आंखों को खटक रहे

सवेरा कितना खूबसूरत होता है ना हर रोज़ सूरज यही तो सिखाता है

परिवर्तन नवलकथा भाग - 3
पिनल नागर, पाटन गुजरात

सुबह की पहली किरन के साथ शिव की आंखें खुलती है रात तो उमा के यादों में ही गुजर गई थी। वो खिड़की के बाहर जाकता है की सवेरा कितना खूबसूरत होता है ना हर रोज़ सूरज यही तो सिखाता है की, अगर अंधेरा है तो उजाला भी तो होगा, अगर आज ढल गये तो कल नई आशा के साथ खडे होंगे वो ये सोच ही रहा था की माँ की आवाज आती है, बेटा चल जल्दी से नारता करले, रात को देर से आया था तो ठीक से खाना भी नहीं खाया था गो प्यार से माँ को देखता है और कहता है आप हर वडूत मेरी डिक्र मत कीजिये थोड़ा अपनी सेहत पे ध्यान दीजिए। तभी माँ कहती है, इतनी ही डिक्र हे तो एक बहु क्यु नहीं ला देता जो मेरे साथ तेरा भी ख्याल रखा करे माँ प्यार से उसके सिर पे हाथ रख देती है और कहती के बेटा अगर तुझे कोई पसंद भी हे तो बता दे मे खुद जाकर तेरे रिश्ते की बात करूंगी 7पर शिव हसके बात टाल देता है 7 शिव कहता है आप मे और पापा है ना बस और क्या चाहिए फर एक नडर खिड़की की ओर देखते हुए मन मे कहता है, जेसे कृष्णा राधा के बीना अधूरे हैं वैसे ही ये शिव भी अपनी उमा के बीना अधूरा हैं तभी शिव कहता है अच्छा माँ मुझे अब रेडी भी होना है, आज एक जरूरी काम याद आ गया है 7अगर देरी हो जाए तो आप खाना खा लेना 7उसे

जाता देख अनुराधाजी सोच मे पड़ जाती हैं। पांच साल पहले की बात हैं, तब उनके ऊपर आफतो का पहाड़ टूट पड़ा था 7एक एक्सीडेंट बस और क्या था शिव के पापा व्हीलचेर पर आ गये 7छोटी बेटी रिया और शिव की ड्रिम्मेदारी अब उन पर आ गई थी 7वो कहते हैं ना अच्छे वडूत मे सब साथ देते हैं पर बुरे वडूत मे खुद का साया भी साथ छोड़ देता है 7 शिव के बड़े पापा, बुआ रिश्तेदार सभी आते मिलते पर कोई मदद के लिए हाथ नहीं देता था 7शिव ने भी घर के हलालो को देख एक छोटी सी साइड मे जाँब शुरू करदी 7 बस यही से उभरते हुए शिव की शादी के बारे मे सोचा ही नहीं, और डब भी सोचा तो शिव ने बात ही घुमा दी 7 तभी शिव माँ के पाव को छूता हैं तभी अनुराधा जी का ध्यान बटता है ओर वो कहते हैं, (भगवान तने सो वर्ष नो करे - गुजराती भाषा)ईधर तुझे सो साल का आयुष्य दे शिव निकलता हैं, तभी रामुकाका आवाज आवाज लगाते हैं बेटा काँट दे वरना किशोरजी कहा किसीसे खुले दिल से बाते करते हैं 7 यही पास ही मे उनका मेडिकल का स्टोर हैं 7 शिव मेडिकल स्टोर % शिव सर ऊपर की तरफ कहता हैं हा काका कहते हैं क्या बात हैं साहबजी आप को चाय बहुत ही पसंद हैं 7शिव हा मे सर हिलाकर मुस्कुरा देता हैं काका कहते हैं साहबजी चाय के साथ कुछ लेंगे तभी शिव कहता हैं काका बस आपकी हाथ की चाय। शिव आज ऑरेंज कुर्ते और

सडेद पायजामे मे था 7माथे पे चंदन का टीका शिव चाय की चुस्की लेते हुए कहता हैं, काका कल आप कह रहे थे ना की किशोरजी का बेटा नेकदिल था। क्या हुआ था हुआ था उसेड काका कहते हैं आप जानते थे उन्हें शिव हा भी भरता हैं और कहता हैं शायद वो सुमित हैं जो मेरा बहुत ही करीबी दोस्त था। काका कहते हैं हा जी साहबजी वो सुमित भैया, किशोरजी के छोटे बेटे आर्मी मे थे सुना हैं 5 साल से उनका कुछ पता नहीं चला 7सब कहते हैं की अब राजस्थान पोस्टिंग हुई थी तभी किसी लड़ाई मे वो लापता हो गये, कुछ लोगोंका कहना हैं की वो नहीं रहे शिव दोनों हाथो से सर पकडकर बैठ जाता हैं और सोचता हैं की मैंने हर वडूत सिर्फ उमा की दुशी चाही डिरभी इतना गम क्यु आया उसके नसीब मे 7और सुमित उसीके साथ थे सब होना था 7कितना प्यारा दोस्त था मेरा 7तभी चाय वाले काका कहते हैं की आप उनसे मिल ही क्यु नहीं लेते शायद वो भी अपना दर्द बाँट दे वरना किशोरजी कहा किसीसे खुले दिल से बाते करते हैं 7 यही पास ही मे उनका मेडिकल का स्टोर हैं 7 शिव सर ऊपर की तरफ कहता हैं हा काका कहते हैं क्या बात हैं साहबजी आप तभी एक गीत की धुन सुनाई देती हैं, आदमी मुसाफिर हैं आता हैं जाता हैं , आते जाते रास्ते मे यादें छोड़ जाता हैं, यादें छोड़ जाता हैं..... शिव सोचता हे, -ये समय का खेल भी

पुरानी पैशन स्कीम गले की फांस

पैशन देने का दबाव है। इसलिए कई फार्मूलों पर विचार किया जा रहा है। केन्द्र सरकार नेशनल पैशन स्कीम की समीक्षा के लिए विन सचिव की अध्यक्षता में कमेटी बना चुकी है। यह कमेटी पैशन स्कीम को आकर्षक बनाने को लेकर सरकार को अपने सुझाव सौंपेगी। पहले अंध्र प्रदेश की जगन मोहन रेड्डी सरकार ने एक फार्मूला सुझाया था जिस पर विचार किया गया था लेकिन अब कुछ राज्यों ने मध्य मार्ग अपना कर न्यूनतम पैशन को सुनिश्चित बनाने का सुझाव दिया है। राज्यों का सुझाव है कि पुरानी पैशन स्कीम में प्राप्त अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत पैशन के रूप में दिया जाता है। उसे अब नौकरी शुरू करने के बाद प्राप्त न्यूनतम वेतन का 50 प्रतिशत पैशन के रूप में दिया जाना चाहिए।

राज्य सरकारों प्रत्येक कर्मचारी के लिए न्यूनतम पैशन सुनिश्चित करना चाहती हैं। अभी तक कांग्रेस शासित राज्यों और आप पार्टी शासित पंजाब ने ही पुरानी पैशन स्कीम बहाल की है। धरिजवं बैक और अन्य वित्तीय संस्थान लगातार चेतावनी देते आ रहे हैं कि पुरानी पैशन स्कीम लागू करने से राजकोष पर बहुत अधिक दबाव पड़ेगा और इससे राज्य सरकारों की अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब यह मुद्दा चुनावी मुद्दा बन चुका है। इस मुद्दे का एक पहलू सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। वह यह है कि कर्मचारियों को इतनी कम पैशन मिलती है जिससे वह न तो भरपेट भोजन खा सकते हैं और न ही अपने लिए आवश्यक वसाइयां खरीद सकते हैं। अब समस्या यह है कि नई पैशन योजना सेवा के वर्षों से कोई इतफाक नहीं रखती है बल्कि यह कार्पस बेरुद है यानी जितना फंड एनपीएस अकाउंट में होगा उसी हिस्सा से पैशन लेकिन इससे उन कर्मचारियों के ऊपर संकट पैदा हो गया है जिनकी रेगुलर बेस पर नियुक्ति के बाद सेवानिवृत्ति महज 10 से 15 वर्षों के भीतर हो रही है या जिन राज्यों में एनपीएस का कर्मचारी अंशदान कम है वही तक काटा ही नहीं गया और न ही सरकारी अंशदान जमा किया गया। फलस्वरूप कोई फंड निवेशित ही नहीं हुआ और अब जबकि उनकी सेवानिवृत्ति या तो नजदीक है या हो गयी है। ऐसे सभी कर्मचारियों के लिए नेशनल पैशन स्कीम, सेवानिवृत्ति पर न तो मिनिमम पैशन की गारंटी देती है और न ही उन्हें पुरानी पैशन

की तरह अंतिम सैलरी के आधार पर पैशन देती है। ऐसे कर्मचारियों को नाम मात्र फंड जमा होने के कारण नाम मात्र की यथा 500 रुपये से लेकर 2000 रुपये की पैशन मिल रही है। जिसके कारण कर्मचारी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। हालांकि पैशन, राज्य का विषय है। चूंकि नेशनल पैशन स्कीम एक कंट्रीव्यूटी स्कीम है जिसमें पैशन के लिए कर्मचारी से बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ते का 10 प्रतिशत कर्मचारी अंशदान के रूप में काट लिया जाता है और साथ-साथ सरकार स्वयं 10 प्रतिशत के मुकाबले 14 प्रतिशत का अंशदान जमा करती है। जिसे तीन सरकारी संस्थानों में एलआईसी, एसबीआई और यूटीआई में निवेश किया जाता है ताकि कर्मचारी को मार्केट के अनुसार ब्याज मिल सके और ये

आदित्य नारायण

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत देश के पांच राज्यों के विधानसभा और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों से ठीक पहले पुरानी पैशन व्यवस्था बहाली को लेकर हाल ही में दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई लाखों सरकारी कर्मचारियों की रैली से केन्द्र सरकार का चिंतित होना स्वाभाविक है। रैली में उमड़े लोगों की संख्या लाखों में होने के चलते पुराने आंदोलनों की याद आ गई। पुरानी पैशन व्यवस्था बहाली का मुद्दा गले की फांस बनता दिखाई दे रहा है। यह सवाल भी पूछा जा रहा है कि जब हिमाचल, राजस्थान समेत पांच राज्य पुरानी पैशन स्कीम को लागू कर चुके हैं तो इसे देश भर में लागू क्यों नहीं किया जा सकता।

बहाली राज्य सरकारों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यह भी वास्तविकता है कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानजनक पैशन नहीं मिल रही। यह भी देखा होगा कि जिन राज्यों में पुरानी पैशन स्कीम बहाल की है वो किस तरह से इसके लिए फंड की व्यवस्था करते हैं। आंदोलनकारी कर्मचारी वोट की चोट से संदेश देने का संकेत दे रहे हैं। पैशन शंखनाद महासंघ ने राजनीतिक रंग भी दिखा दिया है। दूसरी ओर आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि कोई ऐसा कदम नहीं उठाया जाना चाहिए जो देश की आर्थिक सेहत से खिलवाड़ कर जाए। फिलहाल यह एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। देखा है कि केन्द्र सरकार कोन सा फार्मूला अपनाती है जो सभी को रीवाक्य हो।

कांग्रेस के चंबल संभाग प्रभारी फूलसिंह बैरैया का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

दैनिक पुष्पांजली टुडे



भिण्ड। मध्य प्रदेश के वरिष्ठ नेता व चंबल संभाग कांग्रेस संगठन के प्रभारी फूल सिंह बैरैया का भिंड मेला ग्राउंड पर जिला कांग्रेस के जिला संगठन मंत्री इरशाद अहमद की तरफ से भव्य स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों मुख्य रूप से रामकिशोर भारद्वाज एडवोकेट, नयन सिंह राजवात, रानू भदौरिया, जिला संगठन मंत्री इरशाद अहमद, भागीरथ सिंह कुशवाहा, रहमान खान, पप्पू, राजेंद्र कुमार, अब्राहम सिंह बघेल, शैलेंद्र सिंह भदौरिया, बालू कांग्रेस अध्यक्ष शैलू गोपाल सिंह राजवात, इरशाद खान गांधी, आशीष कुमार शर्मा, शान मोहम्मद खान, हिम्मत राम दोहरे, सुरेश शर्मा, विनोद सिंह कुशवाहा, हनीफ खान, राजू बघेल सैकड़ों कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

नशा एक सामाजिक बुराई के साथ साथ सामाजिक पतन भी है: सुनील दुबे

दैनिक पुष्पांजली टुडे



भिण्ड। मध्य प्रदेश सामाजिक न्याय विभाग के निर्देशन में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित संस्था चौधरी रूप नारायण दुबे समाज कल्याण समिति द्वारा जिला स्तरीय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती को मध्य निषेध सप्ताह के रूप में 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2023 अंतर्गत इन्स्टीट्यूट सेंटर पर संगोष्ठी आयोजित की गई, पोस्टर प्रदर्शनी, भाषण प्रतियोगिता, वाद विवाद, आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए, एवम प्रचार प्रसार के माध्यम से युवाओं को नशे के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में एमजीडी स्कूल के प्राचार्य कुलदीप मिश्रा ने युवाओं व प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए नशे से होने वाले दुष्परिणामों को विस्तार से बताया। वहीं बाल कल्याण समिति के प्रथम न्यायिक मजिस्ट्रेट शक्ति प्राप्त सुनील दुबे ने कहा कि जीवन जीए तो महात्मा गांधी जी जैसा, उनका जीवन सादा जीवन उच्च विचार की अवधारणा से पूर्णपूर्ण था जिसने उन्हें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी बनाया जिन्हें हम ही नहीं आगे आने वाली पीढ़ी भी आदेश मानती रहेंगी। कार्यक्रम समापन समारोह में नशा मुक्ति को लेकर आयोजित किए भाषण प्रतियोगिता, वाद विवाद तथा चित्रकला प्रतियोगिता में मयंक दुबे, सनी चौधरी, सार्थक सेगर, समर्थ मिश्रा को पुरस्कार से सम्मानित किया गया, कार्यक्रम में अंकित दुबे, आशु बघेल, वैभव दुबे, ओम तिवारी, वैभव जोशी, अभिषेक शर्मा ने सराहनीय पहल की।

चुनाव में प्रत्याशी उतारने के लिए हटीले हनुमान जी मंदिर पर हुई धानुक समाज की बैठक आयोजित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गोहद। विधानसभा अनुसूचित जाति आरक्षित क्षेत्र क्रमांक 13 के लिए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में महेश कुमार धानुक को प्रत्याशी के रूप में अधिकृत किया धानुक समाज की बैठक हटीले हनुमान जी मंदिर पर आयोजित हुई जिसमें सर्वसम्मति से महेश कुमार धानुक का नाम रखा गया अभी तक विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 13 में कांग्रेस और भाजपा का विधायक बनता रहा है लेकिन अनुसूचित जाति में व्यवस्था परिवर्तन के सहयोग से बैठक आयोजित कर धानुक समाज को प्रतिनिधित्व सौंपने का विचार विमर्श किया जिसमें सर्व सम्मति से महेश कुमार धानुक का नाम चयनित किया इस अवसर पर महेश कुमार ने कहा की विधानसभा क्षेत्र में जगह-जगह समस्याओं का अंबार लगा हुआ है एवं यहां जो भी प्रतिनिधि चुने गए हैं उन्होंने अभी तक गोहद विधानसभा का विकास न करते हुए सिर्फ अपना विकास किया है जबकि जनता की मांग है कि यहां से किसी नए प्रत्याशी को मौका दिया जाए अभी तक सिर्फ भाजपा और कांग्रेस को ही मौका मिलता रहा है जो कि क्षेत्र का विकास न करते हुए सिर्फ अपने विकास में लग जाते हैं यदि जनता जनार्दन ने मुझे मौका दिया तो क्षेत्र में जगह-जगह कैप लगाकर समस्याएं सुनी जाएगी एवं क्षेत्र की समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा इस अवसर पर मीटिंग में लगभग एक सेकड़ से अधिक लोग उपस्थित हुए एवं सर्व सम्मति से फैसला लिया गया।

चुनाव में प्रत्याशी उतारने के लिए हटीले हनुमान जी मंदिर पर हुई धानुक समाज की बैठक आयोजित

दैनिक पुष्पांजली टुडे



है जबकि जनता की मांग है कि यहां से किसी नए प्रत्याशी को मौका मिलता रहा है जो कि क्षेत्र का विकास न करते हुए सिर्फ अपने विकास में लग जाते हैं यदि जनता जनार्दन ने मुझे मौका दिया तो क्षेत्र में जगह-जगह कैप लगाकर समस्याएं सुनी जाएगी एवं क्षेत्र की समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा इस अवसर पर मीटिंग में लगभग एक सेकड़ से अधिक लोग उपस्थित हुए एवं सर्व सम्मति से फैसला लिया गया।

हिंदू उत्सव समिति धर्म परिवार का शानदार गरबा महोत्सव का शुभारंभ 18 अक्टूबर से-

कृष्णा राज कपूर ऑडिटरियम के प्रांगण में शहर की दो दर्जन से अधिक गरबा टीम नृत्य कौशल का करेगी प्रदर्शन

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा विवेक तिवारी (संभागीय ब्यूरो) रीवा। गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी हिंदू उत्सव समिति धर्म परिवार रजत जयंती गरबा महोत्सव कार्यक्रम कृष्णा राज कपूर ऑडिटरियम में 18 अक्टूबर से आयोजित होगी। गुजराती तर्ज पर धार्मिक गीतों में मां जगदंबा को प्रसन्न करने शहर के दो दर्जन से अधिक गरबा टीमों इस बार कार्यक्रम में अपने नृत्य कौशल का प्रदर्शन करेंगी। उक्त जानकारी पत्रकारों से होटल जीत सभागार में चर्चा करते हुए हिंदू उत्सव समिति धर्म परिवार के आजीवन संरक्षक नारायण डिगवानी सुनील अग्रवाल नगर अध्यक्ष अनिल मिश्रा युवा अध्यक्ष सुमित मांजवानी के उपस्थित में देते हुए बताया कि गरबा महोत्सव आयोजन की पूर्ण तैयारी समिति के अध्यक्ष गुरमीत सिंह मंगू के मार्गदर्शन में सांस्कृतिक सचिव राजीव वर्मा गुडू महासचिव सुरेश बिशर्नोई, श्रीप्रकाश तोमर रामसखा यादव के देख रेख में की जा रही है। गरबा महोत्सव का कार्यक्रम 18 अक्टूबर के 23 अक्टूबर तक शाम 6-00 बजे से जिला प्रशासन के गाइड लाइन अनुसार रात्रि 10-00 बजे तक आयोजित होगी



जिसमें कलाकारों द्वारा एक दिन मतदान दिवस पर विशेष गरबा नृत्य का प्रदर्शन मतदाताओं को जागरूक करने के लिए किया जाएगा तथा 24 अक्टूबर को शहर के कला प्रेमियों की मांग पर ओपन गरबा डाडिया का कार्यक्रम आयोजित होगा उन्होंने आगे कहा कि विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी हिंदू उत्सव समिति धर्म परिवार द्वारा भगवान श्री राम द्वारा अन्याय के प्रतीक रावण का वध करने के बाद जीत उत्सव को मनाने श्री राम धर्म विजय उत्सव यात्रा शहर में श्री राम दरवार झांकी के साथ मानस भवन से निकल जाएगी।

विभिन्न विकास कार्यों का ग्राम पंचायत डेल्ही में विधानसभा अध्यक्ष ने किया भूमि पूजन

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा मंगनवा, रीवा। मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम द्वारा ग्राम पंचायत डेल्ही जनपद पंचायत रावपुर कर्चुलियान में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन किया जिसमें मैन रोड से जंजाली बाबा मंदिर ग्रेवेल रोड, लागत 14,95 लाख, जंजाली बाबा मंदिर में चबूतरा निर्माण, लागत 6 लाख, जंजाली बाबा घाट निर्माण, लागत 4 लाख, की आधारशिला



रखी उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को करने में अंतिम सांस तक कोई कसर नहीं छोड़ेंगे

को करने में अंतिम सांस तक कोई कसर नहीं छोड़ेंगे मेरे विधानसभा अंतर्गत हर ग्राम पंचायत में सड़क हो कोई भी ऐसा घर ना हो जो सड़क से छूटा रहे सभी घरों तक आईसीसी, ग्रेवेल, आदि सड़कों का जाल हो मंदिर में चबूतरा निर्माण से धार्मिक आयोजन करने पर दिक्रत होती थी वह भी पूरा हो जाएगा आने वाले समय में जो भी विकास कार्य अधूरे रह जाएंगे उसे भी पूरा

नियम विरुद्ध चल रहे निजी अस्पतालों पर आखिर कब लगेगा अंकुश

दीप माला हॉस्पिटल में देर रात हुआ मरीज की जान से खिलवाड़, चंद पैसों के लिए मरीज को दूसरे अस्पताल में रेफर ना होने देने से गई मरीज की जान



दैनिक पुष्पांजली टुडे सतना। जिले की मेडिकल व्यवस्था पर देर रात एक बार फिर उठे सवाल, चंद पैसों के लिए मरीज को अस्पताल में कैद कर लेने की वजह से गई एक मासूम की जान, सीएमएचओ को इस बड़े मामले में देना होगा बयान, परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन को उधरया मौत का जिम्मेदार जानकारी के अनुसार सतना शहर के भरहुत नगर में स्थित दीप माला हॉस्पिटल में देर रात एक मरीज की तबियत बिगड़ी जिसके बाद परिजनों ने लगातार हॉस्पिटल में मौजूद मालिक एवं स्टाफ से मरीज को रीवा रेफर कर देने की बात कही लेकिन हॉस्पिटल के संचालक गौतम जी ने मरीज की जान से ज्यादा पैसों को महत्व दिया जिसका

पुलिस अधीक्षक मऊगंज के निर्देश पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण किया दर्ज

नईगढ़ी पुलिस ने किया अनसुना तो पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से लगाई थी न्याय की गुहार

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा पुष्पेंद्र सिंह ब्यूरो चीफ मऊगंज मऊगंज। अन्याय अत्याचार के खिलाफ सख्त पुलिस अधीक्षक बरिन्द्र जैन की न्यायप्रिय कार्यशैली से फरियादियों को न्याय मिल रहा है। जहां श्री जैन के निर्देश पर एक महिला के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों खिलाफ अंततः नईगढ़ी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। उक्त मामला दिनांक 03 अक्टूबर 23 का है जब फरियादिया अन्तिमा त्रिपाठी पति देवेन्द्र त्रिपाठी उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम जौरौट थाना नईगढ़ी जिला मऊगंज (म.प्र.) ने नईगढ़ी पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह अपने खेत में धान लगवाई थी तो मेरे जेट सीताशरण त्रिपाठी का लड़का शुभम त्रिपाठी उसके खेत में भैस बांध दिया तो शुभम त्रिपाठी को अपने खेत में भैस बांधने से मना की खेत में धान लगी है वहां से अपनी भैस हटा ले तो शुभम त्रिपाठी उससे गाली गलौज करते हुए हटाने से इंकार किया तब उसने



शुभम त्रिपाठी को गाली देने से मना की तो वही पर पड़े डंडा से मुझे गम्भीरता से नहीं लिया जिसके बाद पीड़िता मऊगंज पुलिस मारने लगा इतने में शुभम त्रिपाठी की मां सरोज त्रिपाठी भी अपने बेटे के साथ मारपीट शामिल हो गई है, जब उसने हल्ला गौहार मचाया तो नीतू त्रिपाठी व नीतू की माता ने पहुंचकर बीच बचाव किये। मारपीट से वह चोटिल हो गई, लेकिन नईगढ़ी पुलिस ने शिकायत को असंज्ञेय बताया और अधीक्षक श्री जैन के पास न्याय की गुहार लगाई जिसके उपरंत पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कल नईगढ़ी पुलिस ने फरियादिया की रिपोर्ट पर आरोपी शुभम त्रिपाठी और उसकी मां सरोज त्रिपाठी के खिलाफ भा.द.स.की धारा 323,294,34 के तहत मामला दर्ज किया है।

आखिर पुलिस ने शराब ठेकेदार सोम गुप के मैनेजर को क्यों दिया अभयदान, रीवा पुलिस के कार्यप्रणाली पर उठे सवाल..?

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा रीवा। बीती रात को सिटी कोतवाली पुलिस ने बिछिया शराब दुकान से कुछ ही दूरी पर 7 पेटी शराब के साथ एक पैकार को धर दबोचा किंतु पुलिस ने मामला नहीं कायम किया मीडिया के सुर्खियों पर बनने पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर सिटी कोतवाली पुलिस ने पैकार के ऊपर मामला दर्ज किया वही सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शराब तो बिछिया शराब सोम शराब समूह की बताई जा रही थी सोम शराब समूह के मैनेजर बबलू मिश्रा व दिनेश सिंह के अपने

आप को बचाने के लिए शराब दुकान के कर्मचारी के ऊपर पुलिस पर दबाव बनाकर कार्यवाही कराने की कोशिश में लगे हैं एक ओर पुलिस ने पैकार के ऊपर मामला कायम करके अपना हाथ साफ कर लिया आखिर क्या वजह थी ..की पुलिस ने सोम रूप के मैनेजर को अभयदान दे दिया यदि कहा जाए तो सोम रूप द्वारा रीवा जिले के कोने-कोने पर अवैध शराब की बिक्री करवाई जा रही है तो फिर ये भी कहना गलत नहीं होगा कि सोम रूप को आबकारी से लेकर रीवा पुलिस का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

तेज रफ्तार कार ने ज्योति स्कूल के छात्र को मारी टक्कर, मौत

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा रीवा। शहर के समान थाना क्षेत्र के बजरंग नगर मोड़ के पास एक दर्दनाक हादसा हुआ जहां तेज रफ्तार कार ने ज्योति स्कूल के एक छात्र को बुरी तरह कुचल दिया। टक्कर इतनी तेज थी कि छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि स्थानीय जनों की मदद से घायल छात्र को संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया जहां जांच के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार कर सिरमौर चौगूहा फ्लाई ओवर से नए बस स्टैंड की ओर जा रही थी जैसे ही कार फ्लाई ओवर से उतरकर बजरंग नगर मोड़ पहुंची थी की साइकिल से जा रहे ज्योति स्कूल के छात्र को जोरदार टक्कर मार दी। घटना की जानकारी लगते ही वहां भीड़ जमा हो गई। सूचना देने पर मौके पर समान थाना पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस एवं स्थानीय जनों की मदद से घायल छात्र को संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने जांच के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर इसे कारवाई में लिया है और पीएम के लिए शव को मर्चुरी में रखवा दिया है। सूत्रों की माने तो ज्योति स्कूल में कक्षा 8 का छात्र है जिसका नाम सक्षम अग्रवाल पिता सिद्धार्थ अग्रवाल निवासी तहटी थाना सिटी कोतवाली बताया गया है। वह रविवार की सुबह साइकिल से ज्योति स्कूल स्पोर्ट्स के लिए जा रहा था कि तेज रफ्तार कार ने उसकी जान ले ली।

एशियाई खेल : भारतीय महिला कबड्डी टीम ने जीता स्वर्ण

हांगझू। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने शनिवार को हांगझू में 19वें एशियाई खेलों में महिला टीम कबड्डी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय कबड्डी खिलाड़ियों ने शनिवार को चीनी ताइपे के खिलाफ 26-25 से जीत हासिल कर महिला टीम कबड्डी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। अपने अभियान के शुरुआती मैच में दोनों टीमों ने 34-34 से टाई खेला था। एशियाई खेल 2023 में स्वर्ण पदक मैच में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने चीनी ताइपे के खिलाफ 14-9 की बढ़त ले ली। भारतीय रेडर्स ने पहले हाफ में छह बोनस अंक हासिल किए। दूसरे हाफ में चीनी ताइपे ने बढ़त बनाई और 16 अंक हासिल किए, जबकि भारतीय 12 अंक ही हासिल कर पाए। हालांकि, दूसरे हाफ में भारतीय रेडर्स ने दो बोनस अंक हासिल किए। लेकिन अंत में, पहले हाफ में अपने शानदार प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम ने जीत हासिल की। इससे पहले गुरुवार को प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने नेपाल को 61-17 से हराकर महिला कबड्डी के फाइनल में जगह बनाई थी।

एशियाई खेल: अदिति गोपीचंद स्वामी ने कपांड तौरदाजी महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में जीता कांस्य पदक

हांगझू। भारतीय तौरदाजी अदिति गोपीचंद स्वामी ने शनिवार को हांगझू में चल रहे एशियाई खेलों में महिला कपांड तौरदाजी महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक



जीता। गोपीचंद ने कपांड तौरदाजी स्पर्धा में इंडोनेशिया के रतिह ज़िलिजुति फादली को 146-140 से हराकर कांस्य पदक हासिल किया। अदिति ने पहले सेट से ही खेल पर अपना दबदबा बना लिया जबकि इंडोनेशियाई खिलाड़ी पिछड़ गईं और अंततः पदक की दौड़ से बाहर हो गईं। अदिति ने निरंतरता बनाए रखी और पहले तीन सेटों में 29 अंक बनाए। चौथे गेम में उन्होंने 30 अंक हासिल किए और इसके बाद आखिरी सेट में 29 अंक हासिल किए।

भारतीय तौरदाजी ने खेल में भारत के प्रभुत्व को दर्शाते हुए पहले सेट से अच्छी बढ़त बनाए रखी। इस बीच, उभरती हुई भारतीय तौरदाजी ज्योति सुरेखा वेन्नम ने कपांड तौरदाजी महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में दक्षिण कोरिया की चैवोन को 149-145 के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। भारत फिलहाल कुल 100 पदकों के साथ पदक तालिका में चौथे स्थान पर है। इन 100 पदकों में 25 स्वर्ण, 35 रजत और 40 कांस्य पदक शामिल हैं।

एशियाई खेल : भारतीय पहलवान किरण, सोनम और अमन ने जीता कांस्य पदक

हांगझू। भारतीय पहलवान किरण बिशनोई, सोनम मलिक और अमन ने एशियाई खेलों में भारत के लिए कांस्य पदक हासिल किया। किरण ने महिलाओं की 76 किग्रा फ्रीस्टाइल में मंगोलिया की अरियुंजगा गनवत को 6-3 से हराकर कांस्य पदक जीता। वहीं, अमन ने पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल में तैकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर चीन के मिंगु लियू को हराकर कांस्य पदक जीता। 20 साल के अमन ने तैकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर चीन के मिंगु लियू को 11-0 से हराया। इससे पहले सोनम ने महिलाओं की 62 किग्रा फ्रीस्टाइल में चीन की जिया लॉन को 7-5 से हराकर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। बता दें कि अमन को पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा सेमीफाइनल में विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता जापानी पहलवान तोशीर्रो हसेगावा के खिलाफ 10-12 से हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद उन्हें कांस्य पदक मुकाबले में उतरना पड़ा, वहीं, शुक्रवार को लगातार 10-0 से जीत दर्ज करने वाली सोनम सेमीफाइनल में कोरिया गणराज्य की मुन ह्योयंग से 0-7 से हार गईं। इस बीच, किरण भी अपना सेमीफाइनल मुकाबला कजाकिस्तान की श्यामिला बाकबर्गेनोवा से 4-2 से हार गई थी। भारत ने अब तक एशियाई खेलों में कुल 93 पदक जीत लिए हैं, जिनमें 21 स्वर्ण, 33 रजत और 39 कांस्य पदक शामिल हैं।

भारत का एशियाई खेलों में शतक पूरा

हांगझू। भारत ने एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए आज पदकों का शतक पूरा कर झंडा ऊंचा कर दिया। 19वें एशियाई खेलों में शनिवार को भारतीय महिला कबड्डी टीम ने यहां स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। टीम ने चीनी ताइपे के खिलाफ 26-25 से जीत हासिल की। भारत फिलहाल कुल 100 पदकों के साथ पदक तालिका में चौथे स्थान पर है। एशियाई खेलों का आज 14वां दिन है। पिछले 13 दिन में भारत ने कुल 95 पदक जीते थे। यह एशियाई खेलों में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत को पहले दिन पांच, दूसरे दिन छह, तीसरे दिन तीन, चौथे दिन आठ, पांचवें दिन तीन, छठे दिन आठ, सातवें दिन पांच, आठवें दिन 15, नौवें दिन सात, दसवें दिन नौ, 11वें दिन 12, 12वें दिन पांच और 13वें दिन नौ पदक मिले थे। आज भारत के पदकों की संख्या 100 के पार जानी तय है। भारत के पास अभी



एशियाई खेल: ज्योति सुरेखा ने महिला कपांड तौरदाजी में स्वर्ण पदक जीता

हांगझू। भारत की ज्योति सुरेखा वेन्नम ने शनिवार को 19वें एशियाई खेलों में महिला कपांड तौरदाजी में स्वर्ण पदक हासिल किया। उभरती हुई भारतीय तौरदाजी ने दक्षिण कोरिया के चैवोन सो को 149-145 के अंतर से हराया। शनिवार को अपनी जीत के साथ, वेन्नम ने अब कुल तीन स्वर्ण पदक हासिल कर लिए हैं, जिसमें तौरदाजी कपांड तौरदाजी और मिश्रित टीम कपांड तौरदाजी पदक शामिल हैं। इस बीच, अदिति गोपीचंद ने भी महिलाओं की कपांड तौरदाजी में इंडोनेशिया की रतिह



पीएम मोदी ने एशियाई खेलों में 100 पदक हासिल करने पर की भारतीय दल की सराहना, कहा-यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को चीन के हांगझू में चल रहे एशियाई खेलों में 100 पदक हासिल करने के अपने लक्ष्य को पार करने पर भारतीय दल को बधाई दी। पीएम मोदी ने एक्स पर 19वें एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए भारतीय एथलीटों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। शनिवार को कबड्डी फाइनल में भारतीय महिलाओं द्वारा चीनी ताइपे को हराकर स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही देश बहु-खेल प्रतियोगिता में 100 पदकों की संख्या तक पहुंच गया। पीएम मोदी ने अपने पोस्ट के माध्यम से जानकारी दी कि वह 10 अक्टूबर को एशियाई खेलों में भारतीय दल की मेजबानी करेंगे, उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से उन एथलीटों के साथ बातचीत करेंगे, जिन्होंने देश को 100 तक पहुंचने में मदद करने के लिए व्यक्तिगत और टीम प्रदर्शन के साथ 19वें एशियाई खेलों में भारत को गौरवान्वित किया है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, एशियाई खेलों में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि! भारत के लोग रोमांचित हैं कि हम 100 पदकों की एक उल्लेखनीय उपलब्धि तक पहुंच गए हैं। मैं अपने अभूतपूर्व एथलीटों को हार्दिक बधाई देता हूँ, जिनके दया है और हमारे दिलों को गर्व से भर दिया है। मैं 10 तारों को हमारे एशियाई खेलों के दल की मेजबानी करने और हमारे एथलीटों के साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हूँ। एशियाई खेलों 2023 में स्वर्ण पदक मैच में महिला कबड्डी टीम ने



प्रयासों से भारत के लिए यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। हर कोई आश्चर्यचकित है। प्रेरणादायक प्रदर्शन ने इतिहास रच दो स्थान पर चल रहे है। महिला वर्ग में आज भारत ने कजाकिस्तान से बाजी झूं खेरी और इसके साथ ही चीन 13 अंकों के साथ पहले स्थान पर मजबूत हो गया है। भारत के लिए दूसरे बोर्ड पर हरिका द्रोणावल्ली ने एकमात्र जीत दर्ज की और कमालीदेनोवा मेस्ट को मात दी जबकि पहले बोर्ड पर कोनेरु हम्पी और चौथे बोर्ड पर वनिका अग्रवाल ने बाजी झूं खेरी। तीसरे बोर्ड पर वैशाली आर को अन्दुमालिक ज़ंसाया से हार का सामना करना पड़ा। फिलहाल 7 राउंड के बाद भारत 11 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है और कल हांग कांग से जीतकर टीम अपना रजत पदक पक्का कर सकती है।

एशियाई खेल: प्रवीण ओजस, अभिषेक वर्मा ने पुरुष कपांड तौरदाजी में स्वर्ण और रजत पदक जीता

हांगझू। प्रवीण ओजस देवताले और अभिषेक वर्मा ने शनिवार को 19वें एशियाई खेलों में पुरुषों की कपांड तौरदाजी स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता। प्रवीण ने अभिषेक को 149-147 के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इन पदकों के साथ, भारत के पास तौरदाजी में अब कुल 9 पदक हो गए हैं, जिनमें कपांड तौरदाजी में 6 स्वर्ण शामिल हैं। यह कपांड तौरदाजी स्पर्धा में भारत द्वारा दर्ज किया गया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। शनिवार को तौरदाजी और अन्य स्पर्धाओं में पदकों के साथ, भारत ने इस एशियाई खेलों में 100 पदक हासिल करने का अपना लक्ष्य हासिल कर लिया है। हांगझू खेलों में भारत की पदक संख्या वर्तमान में 100 है, जिसमें 25 स्वर्ण, 35 रजत और 40 कांस्य पदक हैं।



रजत और 40 कांस्य पदक शामिल हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने अपने अधिकारिक हैडल एक्स पर पोस्ट किया, कपांड तौरदाजी प्रवीण ओजस देवताले (खेलों के लिए 8वां और 9वां पदक है और कपांड तौरदाजी में छठे स्वर्ण पदक, जो एशियाई खेलों में अब तक की सर्वोच्च पदक संख्या है। आप दोनों को बहुत-बहुत बधाई।

ओडिशा सरकार का बड़ा ऐलान, स्वर्ण पदक विजेता हॉकी खिलाड़ियों और स्टाफ को मिलेंगे इतने लाख रुपए

भुवनेश्वर। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम को बधाई देते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने हर खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य को पांच पांच लाख रुपए नकद पुरस्कार देने का ऐलान किया है। पटनायक ने शुक्रवार को कहा कि एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने वाली टीम को उनके इस प्रदर्शन के सम्मान में यह पुरस्कार दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉल के जरिये खिलाड़ियों से बात भी की। उन्होंने कहा, 'भारतीय पुरुष हॉकी टीम को बधाई। उनके समर्पण और अथक परिश्रम ने एक बार फिर साबित कर दिया कि हॉकी वाकई भारत का खेल है। ओडिशा में हमारे दिलों में हॉकी की खास जगह है और यह ऐतिहासिक दिन हमारी स्मृतियों में हमेशा रहेगा। पेरिस ओलंपिक के लिए टीम को शुभकामना।' ओडिशा 2018 से भारतीय हॉकी टीमों का प्रायोजक है।

चेपाँक में शानदार है ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। मेजबान भारत अपने वनडे विश्व कप 2023 अभियान की शुरुआत रविवार 8 अक्टूबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 5 बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से करेगा। चेपाँक पारंपरिक रूप से स्पिनरों के अनुकूल स्थल के रूप में जाना जाता है। जिस ट्रेक पर भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया का खेल खेला जा रहा है, उसके रैक-टर्नर होने की उम्मीद है और स्पिन द्वारा संभावित परीक्षण से पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज अपनी तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। भारत अंतिम एकादश में तीन स्पिनरों - कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन के साथ उतर सकता है, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने नेट्स में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपने कौशल को निखारने पर ध्यान केंद्रित किया। डेविड वार्नर, मिशेल मार्श, स्टीव स्मिथ और कंपनी जैसे लोगों ने एडम जम्मा, डी'आर्सी शॉर्ट, मार्नस लाबुशाने और अन्य स्थानीय नेट गेंदबाजों जैसे अपने ही दिक्कत का सामना किया। टर्निंग ट्रेक पर ऑस्ट्रेलियाई टीम को गेंद को अंतराल में भेजकर स्कोरबोर्ड को टिके रखने के महत्व को पता है क्योंकि सीमाएं बनाना मुश्किल हो सकता है। नेट्स में स्पिनरों ने ज्यादातर गेंदबाजी की, लेकिन उनकी अनुकूलन क्षमता को बताता है और यह भी बताता है कि वे शीर्ष क्रिकेट खेलने वाले देशों में से एक क्यों हैं। ऑस्ट्रेलिया और भारत का रिकॉर्ड आयोजन स्थल पर 6 मैचों में ऑस्ट्रेलिया 5 जीतने में सफल रहा और केवल एक बार हारा है। इस बीच भारत ने चेपाँक पर 14 मैच खेले हैं, जिनमें से सात में जीत और छह में हार मिली है। इनमें से एक खेल बिना किसी परिणाम के समाप्त हुआ। संभावित प्लेइंग 11 भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), इशान किशन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया: डेविड वार्नर, मिशेल मार्श, स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशाने, रलेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन, एलेक्स कैरी/जोश इंग्लिस, एडम जम्मा, मिशेल स्टार्क, सीन एवॉट, पैट कर्मिस (कप्तान)

एशियन गेम्स: टीम शतरंज : 2 रजत पदक की ओर बढ़ा भारत

हांगझू। चीन। एशियन गेम्स के टीम शतरंज मुकाबलों में सात राउंड के बाद भारत की पुरुष और महिला दोनों टीम रजत पदक की ओर बढ़ती नजर आ रही है। भारत पुरुष वर्ग में इरान से तो महिला वर्ग में चीन से सिर्फ एक मैच अंक पीछे चल रहा है और क्यूकी शीर्ष पर चल रही टीमों से मुकाबला खेल चुकी है भारत के लिए पहले स्थान पर आना मुश्किल नजर आ रहा है। पुरुष वर्ग में भारतीय टीम में आज चौथे बोर्ड पर अर्जुन एरिगासी की ट्रान मिन्ह पर शानदार जीत के चलते वियतनाम को 2.5-1.5 से पराजित किया। फले बोर्ड पर डी गुकेसा, दूसरे बोर्ड पर आर प्रजानन्दा और तीसरे टीम कोरिया से होगा जबकि सबसे आगे चल रहे इरान को दो स्थान पर चल रहे है। महिला वर्ग में आज भारत ने कजाकिस्तान से बाजी झूं खेरी और इसके साथ ही चीन 13 अंकों के साथ पहले स्थान पर मजबूत हो गया है। भारत के लिए दूसरे बोर्ड पर हरिका द्रोणावल्ली ने एकमात्र जीत दर्ज की और कमालीदेनोवा मेस्ट को मात दी जबकि पहले बोर्ड पर कोनेरु हम्पी और चौथे बोर्ड पर वनिका अग्रवाल ने बाजी झूं खेरी। तीसरे बोर्ड पर वैशाली आर को अन्दुमालिक ज़ंसाया से हार का सामना करना पड़ा। फिलहाल 7 राउंड के बाद भारत 11 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है और कल हांग कांग से जीतकर टीम अपना रजत पदक पक्का कर सकती है।



राहुल द्रविड़ ने की पुष्टि- शुभमन बेहतर महसूस कर रहे, WC ओपनर से नहीं हुए बाहर

हैदराबाद। टीम इंडिया के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ (Rahul Dravid) ने पुष्टि की है कि स्टाफ ओपनर शुभमन गिल (Shubman Gill) को अभी बाहर नहीं किया गया है क्योंकि वह बेहतर महसूस कर रहे हैं। युवा बल्लेबाज को डेंगू का पता चला है और वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के क्रिकेट विश्व कप 2023 (Cricket World Cup 2023) के पहले मैच से पहले चेन्नई में प्रशिक्षण सत्र में शामिल नहीं हुए थे। सुबह तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले के लिए शुभमन की उपलब्धता पर संदेह रहा लेकिन द्रविड़ ने कहा है कि अभी भी 36 घंटे बाकी हैं और मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है। द्रविड़ ने प्रेस वार्ता में कहा कि शुभमन गिल बेहतर महसूस कर रहे हैं, हमारे पास 36 घंटे हैं, मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है, उन्हें अभी बाहर नहीं किया गया है। बता दें कि शुभमन इस साल शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। वह आईसीसी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में इस समय नंबर 2 पर हैं। 23 साल



पाकिस्तानी मीडिया को वीजा देना BCCI का काम, वह प्रयास कर रहा है : आईसीसी

हैदराबाद। पाकिस्तानी प्रशंसकों और मीडिया को वीजा दिए जाने में देरी पर पीसीबी द्वारा फिर निराशा जताते जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कहा कि बीसीसीआई भारत में विश्व कप की कवरेज के लिए आने का इंतजार कर रहे पाकिस्तानी पत्रकारों को वीजा दिलाने के लिए प्रयास कर रहा है। करीब 60 पाकिस्तानी पत्रकार विश्व कप कवर करने भारत आने का इंतजार कर रहे हैं। नीदरलैंड के खिलाफ विश्व कप के पहले मैच में पाकिस्तान को काफी धेरू समर्थन मिला लेकिन पाकिस्तान का कोई आईसीसी विश्व कप का आयोजक है तो बीसीसीआई को सुलझाने के पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। पीसीबी के एक प्रवक्ता ने कहा, 'हम आईसीसी को बार बार याद दिला रहे हैं कि प्रशंसकों और पत्रकारों को वीजा दिलाना उसका दायित्व है। हम आगे भी यह मसला उठाते रहेंगे। आईसीसी विश्व कप में पाकिस्तान का पहला मैच कवर करने के लिए भारतीय वीजा को लेकर अनिश्चितता की स्थिति देखकर निराशा हुई।' पाकिस्तानी पासपोर्ट धारक का वीजा आवेदन भारत में गृह, विदेश और खेल मंत्रालय से होकर गुजरता है। मेजबान। आईसीसी प्रवक्ता ने कहा, 'वीजा दिलाना मेजबान बीसीसीआई का काम है और हमारे पूरे सहयोग के साथ वह इस पर काम कर रहा है। इस मसले पर काम कर रहा है। इस मसले



के इस ओपनर ने इस साल 20 मैचों में 1230 रन बनाए हैं और एक ऐतिहासिक दोहरा शतक भी लगाया था। टीम इंडिया ने विश्व कप में पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वीते दिनों हुई वनडे सीरीज में भी शुभमन ने शतक लगाया था। विश्व कप 2023 के लिए भारतीय टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शादुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव। विश्व कप 2023 में भारत का शैड्यूल भारत अपने 9 लीग मैच 9 अलग-अलग स्थानों पर खेलेगा। देखें सूची- 8 अक्टूबर : भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, चेन्नई, दोपहर 2 बजे 11 अक्टूबर : भारत बनाम अफगानिस्तान, नई दिल्ली, दोपहर 2 बजे 14 अक्टूबर : भारत बनाम पाकिस्तान, अहमदाबाद, दोपहर 2 बजे 19 अक्टूबर : भारत बनाम बांग्लादेश, पुणे, दोपहर 2 बजे 22 अक्टूबर : भारत बनाम न्यूजीलैंड, धर्मशाला, दोपहर 2 बजे 29 अक्टूबर : भारत बनाम इंग्लैंड, लखनऊ, दोपहर 2 बजे 2 नवंबर : भारत बनाम श्रीलंका, मुंबई, दोपहर 2 बजे 5 नवंबर : भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका, कोलकाता, दोपहर 2 बजे 11 नवंबर : भारत बनाम नीदरलैंड, बेंगलुरु, दोपहर 2 बजे



रीडिंग (डिप्रेन) (द कन्वर्सेशन)। माना जाता है कि अगर कोई अवसाद ग्रस्त है तो वह हर वक्त दुखी या हताश महसूस करेगा। लेकिन कई लोगों को यह नहीं मालूम कि अवसाद का केवल यही लक्षण नहीं है। अवसाद का एक और लक्षण है कि आपको उन चीजों में अब मजा नहीं आता या उनमें दिलचस्पी नहीं होती जिनमें पहले होती थी और इस लक्षण को कई बार नजरअंदाज कर दिया जाता है। इस लक्षण को 'एनहेडोनिया' के नाम से जाना जाता है और यह अवसाद से जुड़ा रहे 75 प्रतिशत व्यक्तियों तथा युवाओं में देखा जाता है। यह लक्षण बहुत आम है लेकिन इसके बावजूद इसका इलाज तथा इससे निपटना मुश्किल है।

कैसे कहते हैं अवसादग्रस्त

एनहेडोनिया को सभी या लगभग हर उस गतिविधि में दिलचस्पी कम होने के रूप में परिभाषित किया जाता है जिनका कोई व्यक्ति पहले आनंद उठाता था। अगर किसी व्यक्ति को कम से कम दो हफ्ते से लगातार एनहेडोनिया है तो उसे अवसादग्रस्त कहा जा सकता है भले ही वह दुखी या हताश महसूस न कर रहा हो। अवसाद के बारे में जिन युवाओं का गहनता से साक्षात्कार लिया गया, उसमें पाया गया कि एनहेडोनिया केवल खुशी का खोना ही नहीं बल्कि मनपसंद कार्यों को करने के लिए प्रेरणा की कमी होना भी है। ऐसे में सलाह दी जाती है कि हल्के अवसाद का इलाज, बात करने (टॉक) थेरेपी से किया जाए। गंभीर अवसाद से जुड़ा रहे लोगों को अवसाद के इलाज में कारगर दवाएं लेने की सलाह दी जाती है।

ये सभी उपचार अवसाद के लक्षणों पर काबू पाने में मदद करने के उद्देश्य से किए जाते हैं लेकिन आधे से ज्यादा लोगों पर पहली बार उपचार का कोई फर्क नहीं पड़ता। बल्कि उपचार का तरीका बदलने के बाद भी तकरीबन 30 प्रतिशत मरीजों को अवसाद के लक्षण महसूस होते हैं। दलील दी गयी है कि इलाज के प्रभाव को इस कम दर का कारण एनहेडोनिया से सही तरीके से निपटना हो सकता है।

इलाज के विकल्प

एनहेडोनिया जटिल हो सकता है लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि इससे पीड़ित लोगों के लिए कोई उम्मीद नहीं है। अनुसंधान से पता चलता है कि बातचीत थेरेपी एनहेडोनिया से निपटने में मदद कर सकती है। हालांकि एक प्रायोगिक अध्ययन में यह भी



पाया गया कि एक नयी प्रकार की 'टॉक थेरेपी' अवसाद के इलाज में संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी से बेहतर काम कर सकती है क्योंकि इस थेरेपी में मरीज के नकारात्मक और सकारात्मक दोनों अनुभवों पर ध्यान केंद्रित कर खासतौर से एनहेडोनिया का इलाज किया जाता है। इसके अलावा डोपामाइन जैसी दवा भी एनहेडोनिया के मरीजों के उपचार में कारगर हो सकती है। अगर आप एनहेडोनिया से जुड़ा रहे हैं तो आपके लिए प्रेरणा तालाशना मुश्किल हो सकता है लेकिन मनोरंजक गतिविधियों या किसी शौक के लिए वक्त निकालने से एनहेडोनिया से निपटने में मदद मिल सकती है।

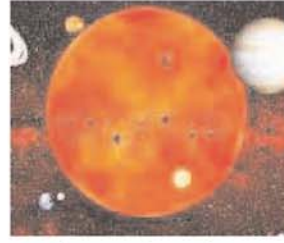
खुशी न मिलना भी अवसाद का लक्षण

टॉक थेरेपी' अवसाद के इलाज में संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी से बेहतर काम कर सकती है क्योंकि इस थेरेपी में मरीज के नकारात्मक और सकारात्मक दोनों अनुभवों पर ध्यान केंद्रित कर खासतौर से एनहेडोनिया का इलाज किया जाता है।

मंगल ग्रह भी पहले रहने लायक रहा होगा : वैज्ञानिक

नयी दिल्ली (भाषा)। वैज्ञानिकों का कहना है कि मंगल ग्रह पर संभवतः किसी समय में शुष्क और आर्द्र मौसम चक्र रहा होगा और इस प्रकार, यह अपने अतीत में किसी समय रहने योग्य रहा होगा। नासा के 'क्यूरियोसिटी' रोवर द्वारा मंगल ग्रह की प्रारंभिक सतह पर देखे गए मिट्टी की दरार के पैटर्न का विश्लेषण वहां पानी की अनियमित उपस्थिति की बात कहता है जिसका अर्थ है कि पानी कुछ समय के लिए मौजूद रहा होगा और फिर यह वाष्पित हो गया होगा। प्रंस, अमेरिका और

कनाडा के वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में कहा कि मिट्टी में दरारें बनने तक इस प्रक्रिया की पुनरावृत्ति हुई होगी। 'क्यूरियोसिटी' रोवर पर लगे केमिकल उपकरण से संबंधित प्रमुख अन्वेषक और इस अध्ययन के लेखकों में से एक नीना लान्जा ने कहा, 'ये मिट्टी की दरारें हमें उस परिवर्ती समय को दिखाती हैं जब तरल पानी कुछ मात्रा में था।' रोवरों के द्वारा इशारा करते हैं कि मंगल पर कभी पृथ्वी जैसी आर्द्र जलवायु रही होगी और लाल ग्रह किसी समय रहने योग्य रहा होगा।



कोविड के कारण शरीर के कई अंग हो सकते हैं खराब, रिसर्च में खुलासा

सैन फ्रांसिस्को (आईएनएस)। शोधकर्ताओं की एक टीम ने पाया है कि मानव शरीर की कोशिकाओं के ऊर्जा उत्पादक माइटोकॉन्ड्रिया के जीन पर कोरोना वायरस नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इससे फेफड़ों के अलावा कई अंग खराब हो सकते हैं। माइटोकॉन्ड्रिया मानव शरीर की प्रत्येक कोशिका में पाया जाता है। साईंस ट्रांसलेशनल मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, माइटोकॉन्ड्रिया उत्पन्न करने के लिए जिम्मेदार जीन हमारी कोशिकाओं के केंद्रक में स्थित परमाणु (न्यूक्लियर) डीएनए और प्रत्येक माइटोकॉन्ड्रियन के भीतर स्थित माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए (एमटीडीएनए) दोनों में फैले हुए हैं। एएसएआर एस-सीओ 2 माइटोकॉन्ड्रिया को कैसे प्रभावित करता है, इसे समझने के लिए कि शोधकर्ताओं ने प्रभावित मरीजों, पशु मॉडलों से

नासाफिरिन्जियल और ऑटोप्सी ऊतकों के संयोजन का विश्लेषण किया। अध्ययन के पहले लेखक जोसेफ ग्वारनेरी ने कहा कि मानव मरीजों के ऊतक के नमूनों ने हमें यह देखने में मदद दी कि रोग की शुरुआत और अंत में माइटोकॉन्ड्रियल जीन अभिव्यक्ति कैसे प्रभावित हुई। जबकि, पशु मॉडल ने हमें रिक्त स्थान भरने और समय के साथ जीन अभिव्यक्ति के अंतर की प्रगति को देखने में मदद मिली। अध्ययन में पाया गया कि श्व परिष्करण ऊतक में, फेफड़ों में माइटोकॉन्ड्रियल जीन अभिव्यक्ति ठीक हो गई थी, लेकिन माइटोकॉन्ड्रियल कार्य दिल के साथ-साथ गुर्दे और यकृत में भी दबा रहा। हालांकि जब शोधकर्ताओं ने जानवरों के मॉडल का अध्ययन किया और उस समय को मापा जब फेफड़ों में वायरल लोड अपने चरम पर था तो मरिटाक में कोई एएसएआरएस-सीओवी-2 नहीं पाया गया, वहीं माइटोकॉन्ड्रियल जीन अभिव्यक्ति सेरिबेलम में दब गई थी। इन निष्कर्षों से पता चला कि मेजबान कोशिकाएं प्रारंभिक संक्रमण पर इस तरह से प्रतिक्रिया करती हैं, जिसमें फेफड़े शामिल होते हैं, लेकिन फेफड़ों में माइटोकॉन्ड्रियल कार्य समय के साथ बहाल हो जाता है जबकि अन्य अंगों, विशेष रूप से हृदय में माइटोकॉन्ड्रियल कार्य खराब रहता है। सह-रिश्द लेखक डगलस सी वालेस ने कहा कि यह अध्ययन हमें इस बात के पुख्ता सबूत देता है कि हमें कोविड-19 को ऊपरी श्वसन रोग के रूप में देखना बंद करना होगा और इसे एक प्रणालीगत विकार के रूप में देखना शुरू करना होगा जो कि कई अंगों को खराब कर सकता है।



आशा भोंसले के 90वें जन्मदिन पर दुबई में लाइव कॉन्सर्ट

नई दिल्ली (आईएनएस)। सुरों की मल्लिका आशा भोंसले के 90वें जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए आनंद भोंसले और पीएमई इंटरटेनमेंट ने दुबई में एक लाइव कॉन्सर्ट करने की घोषणा की है। यह कॉन्सर्ट 8 सितंबर को दुबई के प्रतिष्ठित कोका-कोला एरीना में होने वाला है। इस 'लाइव इन कॉन्सर्ट' को लेकर जैकी श्रॉफ, जमील सईदी, नितिन शंकर, सलीम-सुलेमान, पूनम दिल्ली और पद्मिनी कोल्हापुरे सहित प्रसिद्ध हस्तियों ने अपनी खुशी जाहिर की। इस लाइव कॉन्सर्ट का संचालन आरजे अनमोल करीगे। यह आयोजन आशा भोंसले के शानदार करियर के लिए एक यादगार पल होगा। गायिका आशा भोंसले ने कहा कि मैं बेहद खुशी से भरी हुई हूँ क्योंकि मैं एक दशक बाद मंच पर लौटने की तैयारी कर रही हूँ, संगीत मेरी जीवनरेखा रही है।



फिनाले से पहले ही जिया शंकर आउट

मुंबई, (आईएनएस)। 'बिग बॉस ओटीडी 2' के ग्रैंड फिनाले से पहले एक एक्साइटिंग हुआ। कंटेस्टेंट जिया शंकर को हफ्ते के बीच एलिमिनेशन में बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। ऐसे में शो में अब टॉप 5 कंटेस्टेंट्स बचे हैं। इस हफ्ते घर से बेघर होने वाले अन्य कंटेस्टेंट्स में मनीषा रानी, जिया शंकर और एल्विश यादव शामिल हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में किए गए एक कार्य के बाद तीनों को नोमिनेट किया गया था। लेटेस्ट एपिसोड में जिया शंकर घर में अपने दोस्तों को अलविदा कहने के बाद, 'बिग बॉस' ने इस सीजन के लिए टॉप 5 फाइनलिस्ट की भी घोषणा की।

सीमा हैदर व सचिन पर बन रही फिल्म के ऑडिशन शुरू

नोएडा (आईएनएस)। कथित प्यार की खालिफा पाक से भारत आई सीमा हैदर और सचिन की लव स्टोरी को लेकर 'कराची टू नोएडा' नाम से फिल्म बनाने की घोषणा करने वाले प्रोड्यूसर अमित जानी ने काम शुरू कर दिया है। बुधवार शाम से ही इस फिल्म के लिए मेल और फीमेल मॉडल को इनवाइट किया गया था और फिल्म का ऑडिशन शुरू कर दिया गया है। नोएडा के सेक्टर 14 में बुधवार शाम 7 बजे से इस फिल्म के लिए ऑडिशन शुरू हो गया। देश भर के अलग-अलग हिस्सों से आए कई महिला और पुरुष मॉडल ने इसमें हिस्सा लिया और ऑडिशन दिया। इसके साथ ही साथ एक पोस्टर भी लॉन्च किया गया है। जिसमें कराची टू नोएडा को 2024

में सिनेमाघरों में दिखाने की बात की गई है। दरअसल मेरठ के रहने वाले अमित जानी ने पहले सीमा हैदर और सचिन मीणा को अपनी बन रही फिल्म में काम करने का ऑफर दिया था। उसके बाद प्रोड्यूसर ने सीमा और सचिन पर ही फिल्म बनाने का फैसला लिया और टाइटल कराची टू नोएडा' नाम से फिल्म बनाने की घोषणा करने वाले प्रोड्यूसर अमित जानी ने काम शुरू कर दिया है। बुधवार शाम से ही इस फिल्म के लिए मेल और फीमेल मॉडल को इनवाइट किया गया था और फिल्म का ऑडिशन शुरू कर दिया गया है। नोएडा के सेक्टर 14 में बुधवार शाम 7 बजे से इस फिल्म के लिए ऑडिशन शुरू हो गया। देश भर के अलग-अलग हिस्सों से आए कई महिला और पुरुष मॉडल ने इसमें हिस्सा लिया और ऑडिशन दिया। इसके साथ ही साथ एक पोस्टर भी लॉन्च किया गया है। जिसमें कराची टू नोएडा को 2024



नोएडा को रजिस्टर्ड कराया। इसके बाद इसकी रिक्त लिखने का और अन्य काम शुरू हो गये। बुधवार शाम से इस फिल्म के ऑडिशन के लिए मेल और फीमेल मॉडल को इनवाइट किया गया था और उनका ऑडिशन भी शुरू हो गया।

कार्तिक आर्यन को शादी का प्रपोजल



मुंबई (आईएनएस)। मेलबर्न में फिल्म 'सत्यमेव जयते' के प्रीमियर पर बॉलिवुड के चॉकलेटी बॉय कार्तिक आर्यन को एक लड़की ने शादी का प्रपोजल दे डाला। एक फैन ने कार्तिक से कहा, मुझे आपसे यह सवाल दोबारा पूछने का मौका शायद कभी न मिले, लेकिन 'क्या आप मुझसे शादी करेंगे?' शरमाते हुए कार्तिक ने कहा, एक यहां प्रेम कहानी पूछ रहा है, एक ने शादी का प्रपोजल दे दिया। हो क्या रहा है? यहां मुझे अपना स्वयंवर लग रहा है। 'सत्यमेव जयते' का प्रपोजल 'एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है जिसमें अहमदाबाद के एक मध्यमवर्गीय लड़के सत्यमेव को फिल्म की पात्र 'कथा' से एकतरफा प्यार हो जाता है। इस फिल्म में कियारा आडवाणी, सुप्रिया पाठक, गजराज राव और शिखा तलसानिया सहित कई अन्य कलाकार शामिल हैं।

रजनीकांत की जेलर रिलीज

चेन्नई, (भाषा)। सुपरस्टार रजनीकांत के उत्साही प्रशंसकों ने बृहस्पतिवार को पूरे तमिलनाडु में उनकी फिल्म 'जेलर' की रिलीज का जश्न मनाया। इस फिल्म में रजनीकांत ने 'टाइगर' के मुखवेल पांडियन की भूमिका निभाई है। बताया जाता है कि राज्य भर के सिनेमाघर सप्ताह भर के लिए बुक हो चुके हैं। यहां उत्सव जैसा माहौल नजर आया क्योंकि प्रशंसक पहले दिन के पहले शो के लिए एकत्रित होकर खुशी से



पूरे तमिलनाडु में जश्न

झुम रहे थे। सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित और नेल्सन दिलीपकुमार द्वारा निर्देशित इस एक्शन फिल्म के टीजर को अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी जिसे देखते हुए फिल्म से उम्मीदें काफी बढ़ गई थीं। एक जापानी जोड़ा भी फिल्म देखने के लिए चेन्नई आया है। जापान में रजनीकांत फैन क्लब के प्रमुख यासुदा हिदेतोशी ने कहा- 'हुकुम-टाइगर का हुकुम (टाइगर का आदेश).... 'जेलर' फिल्म देखने के लिए हम जापान से चेन्नई आए हैं। हिंदीतोशी ने फिल्म का यह संवाद दोहराया- 'इंग नाम थान किट्टु....' 'उन्होंने कहा कि वह 20 सालों से भी अधिक समय से रजनीकांत की फिल्मों में देख रहे हैं जिसकी शुरुआत 'गुथु' से हुई थी।

थ्रेड्स में पोस्ट को सीधे इंस्टाग्राम डीएम पर कर सकेंगे शेरार

सैन फ्रांसिस्को (आईएनएस)। मेटा के संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने इस सप्ताह थ्रेड्स में आने वाले नए फीचर्स की घोषणा की है, जिसमें इंस्टाग्राम डायरेक्ट मैसेज (डीएम) में सीधे पोस्ट शेयर करने की क्षमता, एक मेशन बटन और बहुत कुछ शामिल है। जुकरबर्ग ने बुधवार को पोस्ट किया, पोस्ट को सीधे अपने इंस्टाग्राम डीएम पर शेयर करें। उन्होंने एक नए मेशन बटन की भी घोषणा की जो यूजर्स को थ्रेड्स में किसी के अकाउंट का आसानी से उल्लेख करने और फोटो या वीडियो में कन्टेंट ऑल्ट-टेक्स्ट जोड़ने की क्षमता में मदद करेगा। इंस्टाग्राम के प्रमुख एडम मोसेरी ने थ्रेड्स पर नए फीचर्स



की भी घोषणा की, जिन्हें इस सप्ताह की शुरुआत में देखा गया था। उन्होंने आधिकारिक तौर पर योर लाइव्स ऑफ़सेन पेश किया जो यूजर्स को उनकी पसंद की पोस्ट देखने की अनुमति देता है, और यूजर्स द्वारा फॉलो किए जाने वाले अकाउंट्स को क्रमबद्ध करने की क्षमता देता है। मोसेरी ने कहा, हमने मारटोडॉन जैसे प्लेटफॉर्म पर आइडेंटिटी वेरिफाई करने में मदद करने के लिए थ्रेड्स सपोर्ट भी शुरू किया है। अब आप अपनी आइडेंटिटी वेरिफाई करने के लिए समर्थित प्लेटफॉर्म पर अपना थ्रेड्स प्रोफाइल लिंक जोड़ सकते हैं।

एम पी में चुनाव आचार संहिता से पहले नारियल फोड़ने की प्रतियोगिता, जल्दबाजी में हो रहे भूमिपूजन

ग्वालियर। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर कभी भी आचार संहिता लग सकती है. आचार संहिता लगने का डर अब नेताओं को सताने लगा है. जल्दबाजी में नेताओं ने उन प्रोजेक्टों का भी नारियल फोड़कर भूमि पूजन कर दिया है, जिनमें तकनीकी खामी, किसी के टेंडर तो कुछ का सर्वे तक नहीं हुआ है. ग्वालियर विधानसभा में ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने एक ही दिन में 100 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का



लोकार्पण और भूमि पूजन किया. इसके साथ ही ज्योतिरादित्य

सिंधिया ने ग्वालियर में 925 करोड़ के कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण किया. वहीं डबरा विधानसभा में भी सिंधिया ने करोड़ों रुपये के कार्यक्रमों का भूमि पूजन किया. बता दें कि भूमि पूजन और लोकार्पण को लेकर अब सियासत तेज हो गई है. कांग्रेस का कहना है कि सीएम शिवराज सिंह चौहान घोषणा वीर मुख्यमंत्री के साथ नारियल वाले बाबा भी हैं. अब उनके मंत्री भी उनके नक्शे कदम पर चल रहे हैं.

पनीर की सब्जी खाने के बाद बिगड़ी हालत, 100 छात्र अस्पताल में भर्ती

ग्वालियर में पनीर की सब्जी खाने के बाद 100 स्टूडेंट्स को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा है. स्टूडेंट्स मध्य प्रदेश के ग्वालियर में लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान में पढ़ते हैं. ये मामला मंगलवार को पेश आया था. एलएनआईपीई के रजिस्ट्रार अमित यादव ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि 100 छात्रों में से लगभग 70 को दवा दी गई, 25 से ज्यादा को आईवी ड्रिप लगाई गई और कई को आईसीयू में रखा गया है. अस्पताल में भर्ती है



स्टूडेंट्स-छात्रों को मंगलवार रात सरकारी जयारोग्य अस्पताल ले जाया गया. सोशल मीडिया पर वीडियो में, एलएनआईपीई छात्रों को अस्पताल के बिस्तर पर आराम करते और आईवी ड्रिप के जरिए इलाज कराते देख जा सकता है. एलएनआई से बातचीत करते हुए जयारोग्य अस्पताल के अधीक्षक डॉ आरकेएस धाकड़ ने कहा कि छात्रों में से एक की हालत गंभीर थी और वह वेंटिलेटर पर था. छात्रों की उम्र 18 से 25 साल के बीच है

उन्हें दुनिया में हिंदुस्तान का डंका बजना अच्छा नहीं लगता, विपक्ष पर जमकर बरसे पीएम मोदी



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकास विरोधी राजनीति के लिए विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि उनके (विपक्ष के) पास कोई सोच या 'रोडमैप' नहीं है और मौजूदा सरकार के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में देश की प्रगति देखने से उन्हें नफरत है. पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विरोधी दलों को वैश्विक मंचों पर आजकल देश की हो रही प्रशंसा पसंद नहीं है. उन्होंने कहा, 'पूरी दुनिया भारत का गौरव गान कर रही है. आज दुनिया को भारत में अपना भविष्य दिखता है, लेकिन जो राजनीति में उलझे हैं और जिन्हें कुर्सी के सिवाय कुछ नजर नहीं आता है, उन्हें आज दुनिया में हिंदुस्तान का डंका बजना भी अच्छा नहीं लगता है.'

एम पी की इस सीट पर 2008 से चल रहा कांग्रेस का दबदबा, क्या बीजेपी इस बार दिखाएगी दम,

मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी में सुबे की सारी पार्टियां लगी हुई हैं. खासकर बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के लिए ये चुनाव प्रतिष्ठा का विषय बन गया है. दोनों के लिए एक-एक सीट बहुत महत्वपूर्ण है. इसी सिलसिले में बात कर रहे भितरवार विधानसभा सीट को जो ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र के अंदर आता है. 2008 के चुनाव के बाद यह सीट कांग्रेस का गढ़ बनती जा रही है, कांग्रेस के लाखन सिंह यादव यहां से लगातार तीन चुनाव जीत चुके हैं, पिछले दो विधानसभा चुनाव से बीजेपी के दिग्गज नेता और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के भांजे अनूप मिश्रा चुनाव में खड़े हो रहे हैं पर पार्टी को जीत नहीं दिला पा रहे हैं. भितरवार के जातिगत समीकरण-यहां सबसे ज्यादा स्ट्रक्चर के लगभग 52000 वोटर हैं. उसके बाद रावत 25 हजार, यादव 22 हजार, कुशवाहा 20 हजार, मुस्लिम और बघेल 13 हजार, ब्राह्मण और गुजर 10 हजार, क्षत्रिय 5 हजार एवं वैश्य 2 हजार वोटर हैं. लाखन सिंह यादव की इस सीट पर इतनी मजबूत पकड़ है कि बीजेपी इस किले को भेद नहीं पाई है. इनको 2018 की कमलनाथ सरकार में पशुपालन मंत्री का पद दिया गया था. भाजपा भितरवार से इस बार किसी नए चेहरे को मौका दे सकती है. भितरवार सीट का राजनीतिक इतिहास-पहले इस सीट को गिर्द विधानसभा के नाम से जाना जाने वाला, 2008 के परिसीमन के बाद इसे भितरवार के नाम से जाना जाता है, यहां के जातिगत समीकरण को समझने के बाद ये समझते हैं कि इस सीट से किस पार्टी से कौन विधायक चुन कर आए हैं-

सिंधिया समर्थक इमरती देवी के सामने नेहा परिहार लाखों के आरोप में घिर गई महाराज की सिपहसालार

ग्वालियर। लघु उद्योग निगम की अध्यक्ष और सिंधिया समर्थक पूर्व मंत्री इमरती देवी पर गंभीर आरोप लगे हैं. इमरती देवी पर बीजेपी की जिला पंचायत सदस्य ने जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है. इसके अलावा जिला पंचायत अध्यक्ष बनवाने के नाम पर लगे कई लाखों की रकम को वापस मांगने और विधानसभा चुनाव में दावेदारी करने पर धमकी देने का गम्भीर आरोप लगाया है. मामले की शिकायत स्कूसे की गई है, जिस पर जांच के आदेश दिए



हैं. दरअसल ग्वालियर जिला पंचायत में वार्ड क्रमांक 9 डबरा से जिला पंचायत सदस्य नेहा परिहार ने पूर्व मंत्री इमरती देवी पर गंभीर आरोप लगाए हैं. नेहा परिहार का आरोप है कि वह डबरा से विधानसभा चुनाव के लिए टिकट की दावेदारी कर रही है. इस बात की जानकारी इमरती देवी को जैसे ही लगी उन्होंने फोन कर जान से मारने की धमकी देना शुरू कर दिया है. इसके साथ ही उनके पति मुकेश परिहार पर झूठे आरोप लगवाते हुए एफआईआर दर्ज करवाने की भी बात कही है.

पुरानी संसद में साथ दिखे पुराने साथी, सोनिया गांधी के पास बैठे सिंधिया, क्या आपने देखी यह रोचक तस्वीर

पुरानी संसद में साथ दिखे पुराने साथी, सोनिया गांधी के पास बैठे सिंधिया, क्या आपने देखी अलग पुरानी संसद भवन से नए संसद भवन में जाने से पहले कई रोचक तस्वीरें देखने को मिलीं. लेकिन एक तस्वीर ऐसी थी, जिसने मध्यप्रदेश की राजनीति से लेकर देश की राजनीति में अलग ही चर्चा पैदा कर दी.

दरअसल मध्य प्रदेश की सिंधिया एक ही सीट पर अलग-बगल बैठे तस्वीर के सामने आने के बाद मध्य प्रदेश में सियासी हलचल तेज हो गई है. बता दें कि आज संसद भवन के सेंट्रल हॉल में केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आगे बढ़कर सबसे आगे बैठे सोनिया गांधी का अभिवादन किया. फिर सिंधिया ने सोनिया गांधी के पास खड़े अधीर रंजन चौधरी से भी बात की.



रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पहुंचे ग्वालियर रेलवे स्टेशन, खुद लिया काम का जायजा



ग्वालियर। भारत सरकार के केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव आज औचक निरीक्षण करने ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर पहुंच गए. निरीक्षण के दौरान उन्होंने नए रेलवे स्टेशन के मैप व जगहों को देखा. दरअसल ग्वालियर रेलवे स्टेशन को भारत सरकार द्वारा 500 करोड़ की लागत से रीडेवलप किया जा रहा है. रेल

मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर चल रहे री-डेवलपमेंट वर्क की प्रगति पर प्रशंसा की. उन्होंने कहा बहुत अच्छी तरह से रेलवे स्टेशन के री-डेवलपमेंट का काम चल रहा है. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ग्वालियर रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत भारत के 1300 रेलवे

स्टेशन में शामिल किया गया है. ग्वालियर रेलवे स्टेशन एक हेरिटेज रेलवे स्टेशन है. ग्वालियर रेलवे स्टेशन का हेरिटेज लुक में रीडेवलपमेंट किया जा रहा है. इस स्टेशन को सर्व सुविधा युक्त रेलवे स्टेशन बनाने का जो काम किया जा रहा है. उसका मैंने पूरी तरह रिव्यू किया है, मैं काम से संतुष्ट हूँ.

पशु चिकित्सकों की निगरानी में एयरफोर्स परिसर में नीलगायों को पकड़कर कूनो में छोड़ा जाएगा

ग्वालियर । एयरफोर्स परिसर में नीलगाय को पकड़ने का काम पशु चिकित्सकों की निगरानी में होगा. इसके लिए वन विभाग ने पशु चिकित्सकों की टीम से संपर्क कर लिया है और कार्य योजना तैयार है. अब पशु चिकित्सकों की मौजूदगी में बोमा तकनीक से पकड़ने की कार्रवाई की जाएगी. एयरफोर्स परिसर में 200 से ज्यादा नीलगाय हैं जिनके कारण परेशानी होती है. देश के महत्वपूर्ण एयरबेस में शामिल ग्वालियर एयरबेस पर नीलगायों को हटाने के लिए लंबे समय से तैयारी चल रही थी जो अब पूरी होने वाली है. इन नीलगायों को कूनो में छोड़ा जाएगा जिसको लेकर कूनो प्रबंधन ने भी सहमति दे दी है. एयरफोर्स स्टेशन में अलग-अलग परिसर में लगभग 200 नीलगाय हैं. हालांकि कूनो में पहले से ही करीब तीन हजार नीलगाय हैं, इनसे चीतों को कोई नुकसान नहीं है. एयरफोर्स स्टेशन परिसर में नीलगाय बड़ी समस्या-बता दें कि महाराजपुरा स्थित एयरफोर्स स्टेशन परिसर में नीलगाय बड़ी

समस्या बनी हुई है. रनवे पर आने से लेकर और प्रशासन के अधिकारियों की पूर्ण में



यह रहस्यी क्षेत्र तक में घूमती हैं और इनके कारण बड़े नुकसान या हादसे की आशंका रहती है. इसको लेकर वन विभाग, एयरफोर्स

बनी थी, जिसमें नीलगाय को मारने का सुझाव भी शामिल किया गया था. इस बैठक के बाद अब वन विभाग की ओर से यह प्रस्ताव राज्य सरकार की ओर प्रेषित है, लेकिन अनुमति नहीं मिली. अभी हाल ही में एयरफोर्स के अधिकारियों के साथ वन विभाग व प्रशासन के अधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें नीलगायों की समस्या पर विस्तार से चर्चा की गई. बाउंड्रीवाल बनाकर सुरक्षित करने का भी सुझाव-वन विभाग ने पहले नीलगाय को लेकर बाउंड्रीवाल बनाकर सुरक्षित करने का भी सुझाव दिया था. बैठक में बताया गया था कि छोटी मोटी बाउंड्रीवाल या सरहद को यह पार कर जाती है इसलिए इससे भी रोक नहीं लग सकेगी. नीलगाय चो? जितनी बड़ी होती है, पर उसके शरीर की बनावट संतुलित नहीं होती। पृष्ठ भाग अग्रभाग से कम ऊंचा होने से दौड़ते समय यह अत्यंत अटपटा लगता है। इसका वजन 120 किलो से 240 किलो तक होता है और हाड़बत्त पर सड़क हादसों का भी बड़ा कारण है।

मध्यप्रदेश का 55वां जिला पांडुर्णा पहुंचे मुख्यमंत्री, बोले- कमलनाथ ने यहां के लोगों के साथ नहीं किया न्याय



सीएम ने कहा- कमलनाथ ने पांडुर्णा, अब ये सपना सच हो गया है। मैं नए कलेक्टर और एसपी को लेकर आया

लोकार्पण के दौरान व्यक्त किए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पांडुर्णा में शनिवार को कहा, कमलनाथ ने कामठी जलाशय की योजना से पांडुर्णा को नहीं पीने दिया. हम पानी की योजना को जल्द पूरा करेंगे. कमलनाथ ने पांडुर्णा, सीसर के साथ न्याय नहीं किया. जितना अन्याय कमलनाथ ने किया, ब्याज सहित आपकी सेवा कर उस अन्याय को समाप्त शिवराज सिंह करेंगे। जिला बनने के बाद पहली बार पांडुर्णा आए मुख्यमंत्री सीएम ने ऐलान करते हुए कहा कि पांडुर्णा में संत जगन्नाथ जी महाराज की प्रतिमा लगाई जाएगी। पांडुर्णा जिला

बनने के बाद मुख्यमंत्री पहली बार यहां आए। पांडुर्णा जिले के पहले कलेक्टर अजय देव शर्मा और एसपी राजेश कुमार त्रिपाठी ने पदभार भी ग्रहण किया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अमरवाड़ा गोलीकांड में जान गंवाने वाले डॉक्टर दंपती की दोनों बेटियों को सहाय्य देने की बात कही। मंच पर उन्हें आशीर्वाद दिया. कहा कि दोनों बेटियों का मामा सहारा बनेगा। पांडुर्णा प्रदेश का 55 वां जिला बन गया है और आज से अस्तित्व में आ जाएगा। नए जिले के साथ ही सबसे छोटे जिले का तमगा भी पांडुर्णा को मिला है

जेतल कंस्ट्रक्शन से 14 नहीं 21 लाख रु. वसूले जाएंगे

ग्वालियर । हाइकोर्ट में चल रहे मामले में जेतल बिल्डर से फ्लैट की रकम के रूप में 14 नहीं, बल्कि लगभग 21 लाख रुपये वसूले जाएंगे। हाइकोर्ट ने प्रशासन को चार माह का समय दिया है, जिसमें उन्हें जेतल कंस्ट्रक्शन के डायरेक्टर वॉरेंट गुप्ता की सम्पत्ति कुर्क कर रकम वसूलना होगी। हालांकि प्रक्रिया पहले ही पूरी हो जाना चाहिए थी। ज्वाइंट कलेक्टर ने तहसीलदार को लिखित में आपत्ति जताते हुए कहा था कि इस मामले में रकम वसूलने में वह रुचि नहीं ले रहे हैं जो खेदजनक है। बता दें कि इस मामले के हाइकोर्ट में याचिका लगाने वाले रिशी मिश्रा जो बीएसएफ में डिप्टी कमांडेंट है,

उन्होंने जेतल कंस्ट्रक्शन के प्रोजेक्ट में फ्लैट बुक करवाया था। सभी कामजी कार्यवाही पूरी होने के बाद कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने मामले की गंभीरता समझते हुए आदेश दिया कि 8 प्रतिशत ब्याज की दर से प्रशासन याचिका की रकम को वसूलें, कलेक्टर ने इसके चलते तहसीलदार को निर्देश दिए लेकिन वसूली नहीं हो सकी। इसके बाद याचिका के हाइकोर्ट में याचिका दायर कर रकम वसूलने जाने की मांग रखी है। हाइकोर्ट के चलते हजार बिस्तर में उपचार ले रहे एलएनआईपीई के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य में दिन प्रतिदिन सुधार हो रहा है। शनिवार को 11 विद्यार्थी डिस्चार्ज हुए, जबकि पांच विद्यार्थी

रकम मय ब्याज के वापस करने का आदेश भी दिए गए, लेकिन जब पैसा वापस नहीं दिया गया तो याचिका ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने मामले की गंभीरता समझते हुए आदेश दिया कि 8 प्रतिशत ब्याज की दर से प्रशासन याचिका की रकम को वसूलें, कलेक्टर ने इसके चलते तहसीलदार को निर्देश दिए लेकिन वसूली नहीं हो सकी। इसके बाद याचिका के हाइकोर्ट में याचिका दायर कर रकम वसूलने जाने की मांग रखी है। हाइकोर्ट के चलते हजार बिस्तर में उपचार ले रहे एलएनआईपीई के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य में दिन प्रतिदिन सुधार हो रहा है। शनिवार को 11 विद्यार्थी डिस्चार्ज हुए, जबकि पांच विद्यार्थी

अब भी उपचार ले रहे हैं, जिसमें से एक छात्रा आइसीयू में भर्ती है। जो पांच विद्यार्थी भर्ती हैं, उन्हें पेट व सिर दर्द और बुखार की शिकायत बताई जा रही है। इनमें से एक छात्रा की जांच में डेंगू की पुष्टि हुई है, जिसका उपचार डॉक्टरों ने शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि दो अक्टूबर को एलएनआईपीई की मैस में भोजन करने के बाद छात्र फूड प्वाइजनिंग के शिकार बने थे, जिन्हें 3 अक्टूबर की रात को भर्ती किया गया था। कुल 153 विद्यार्थी भर्ती हुए थे, जिनमें से 148 अबतक डिस्चार्ज हो चुके हैं। अब पांच विद्यार्थी उपचार ले रहे हैं, अगले दो से तीन दिन में डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।